राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)
आमुख

वर्तमान प्रतिपादन के अंतिम वर्ष को मैं नए साधनों एवं नई सुरूआतों के वर्ष के रूप में विशेषता करना चाहूँगा। मैंने अक्सर इस तरह पर अपने विचारों को प्रकट किया है कि अनेक नववर्तन हमें प्रेरित करते हैं, हमें आत्मविश्वास रखने के लिए और हमें उनके प्रति जिज्ञासा जगाते हैं। लेकिन हम ऐसा करने के लिए ये नववर्तन विचार बाल तक की यात्रा में मदद हेतु हमें भी प्रेरित कर सकते? यद्यपि यह यात्रा संबंध के लोगों के जीवन में बालबाल बदलने तो टिकाऊ हो सकता है और न ही इसमें अभिवृद्धि हो सकती है।

मुझे बहुत खुशी है कि राजनीति ने विगत वर्ष में कुछ अतिरिक्त समस्याएं हसिल की हैं। तुरंत के नववर्तनों को मदद लेने हेतु मदद के लिए उद्योगों को प्रेरित करने के लिए विवाद और विषयक अव फलस्वरूप होना शुद्ध हो गया है। देश के विभिन्न हिस्सों में चुनिन्दा प्रोफागनिक्यों के सामाजिक प्रारंभिक कार्य हेतु टाटा प्रोफागनों के साथ नई साझेदारी, फ्यूचर ग्रुप के साथ राजनीति के संबंधों में बढ़ी प्रगति और रिलायंस फाउंडेशन के साथ वन संबंधों को देखने में बढ़ी हर्ष का अनुभव करता हूँ। यह भविष्य के संकेत हैं और मुझे उम्मीद है कि आगे भारत में कई अन्य उद्योग आगे आगर राजनीति के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाएंगे ताकि भारत वहाँ की समावेशी अधिकारियों में अप्यन बने।

राजनीतिक बच्चों के सूचनात्मक विचारों को आमंत्रित करने हेतु चलने वाली इंग्लिश प्रतिभाओं को मिल रहा यथार्थ प्रतिभा हमारे लिए प्रेरणदायी है। विगत वर्ष चतुर्थ राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान घोषित तीन गायकसम्मान चुनने की प्रक्रिया में मिला प्रतिभाशील उत्कृष्ट उत्तराधिकारक नहीं रहा था। यह शोकमुद्रा है और हमें वर्षों शिक्षा आयोगों के शिक्षापाठी पर शिक्षा को प्राभाविक करने वाली समस्याओं, के समाधान हेतु सामाजिक गोकलों को अभिवृद्धि करने के वातावरण नए वृद्धिकारों का उत्पादन करना होगा।

माननीय राज्यपाल श्री नवनीत गुप्ता जी ने मुनाफुल नववर्तनों को सम्मानित करने और राज्यपाल भवन में नववर्तन प्रदर्शनी की मेजबानी करने की प्रस्तावना को जारी कर दी है। उनके द्वारा प्रति से से केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में नेशनल इनोवेशन वक्तृत्व का जारी करने वा इंस्पेक्टर टीवी नेटवर्क बनाने एवं नववर्तन प्रदर्शनीयों के विचार ने वस्तुतः शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत नववर्तनों को संस्थागत करने की एक नई राह प्रसार कर रहा है। जब राष्ट्र प्रमुख स्वयं नववर्तन मुहिम को अपना समारंभ देने से जाहिर है तो एक समावेशी और नववर्तनशील भारत का समान पूरा होकर रहेगा। नवजीवन, 2013 में माननीय राज्यपाल से जब प्रकाशक अनन्त गुप्ता और मुझे एक पाँच की मुलाकात का अवसर प्राप्त हुआ था तो उस दौरान इस तरह के अनेक विचार समाने आए जो स्वत: सूर्य, उन्नायनवर्तक एवं प्रेरणदायी थे।

मुझे इस तथ्य की ओर इन्सान होने भी बहुत खुशी हो रही है कि राजनीति ने एक वर्ष की अवधि के दौरान ही एक के बाद एक राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित कर दिए। मैं राजनीति की हमारी टीम के प्रयोग से समर्थन को बढ़ाई देता हूँ। मुझे पूरा होना है कि वे अपने उत्साह के दौरान स्वतः स्वतः को बनाए रखेंगे और साथ अपने उत्साह चुनौतियों के साथ एक बार फिर अपने को पूरी तरह समाप्त कर देंगे।

मुझे इस तथ्य की ओर इन्सान होने भी बहुत खुशी हो रही है कि राजनीति ने एक वर्ष की अवधि के दौरान ही एक के बाद एक राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित कर दिए। मैं राजनीति की हमारी टीम के प्रयोग से समर्थन को बढ़ाई देता हूँ। मुझे पूरा होना है कि वे अपने उत्साह के दौरान स्वतः स्वतः को बनाए रखेंगे और साथ अपने उत्साह चुनौतियों के साथ एक बार फिर अपने को पूरी तरह समाप्त कर देंगे।

शुभाकांक्षाओं के साथ

आर.ए. माशोलकर
पुरे देश भर में हजारों की संख्या में तुर्कमूल नवविर्तकों और विशेष पारंपरिक जानवरों को सेवा प्रदान करता एक ऐसा मिशन है जिसके लिए निरंतर प्रयास की जा रही है। रामान ने सुजनमवक लोगों तक पहुंचने और उनके मिजाजों के अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रसार हेतु कार्य करने के लिए विभिन्न माउड़ों को आज़ाद किया है। इनमें से एक माउड़ को रामान ने पिछले वर्ष दत्तात्रयी दंगे के आज़ाद करने के लिए योगदान सेवक के साथ मिलकर पहल ली गई है।

टाटा एसीको के वर्ष १९२५ से ही कृषि योजनों के केन्द्र में एक अद्वितीय संस्थान रहा है। रामान और टाटा एसीकों ने तुर्कमूल नवविर्तकों हेतु बाजार अवसरों के विस्तार के लिए निवास प्राप्त करने का निर्णय किया है। इसके तहत अभी सुजनमवक में टाटा एसीको के डीलरों के नेटवर्क के माध्यम से एक नवविर्तक द्वारा निर्मित गांव की आंख निकासने वाले यंत्र को वाणिज्यिक रूप से कार्ययापन किया गया है। इसी तरह के कई अन्य उपायों व अवसरों पर रामान काम कर रहा है ताकि नवविर्तकों का प्रसार अधिकारिक रूप से कर सके।

एक अन्य कंपनी को प्रमुख ग्रुप के साथ मिलकर स्थापित किया जा रहा है ताकि बाजार अनुकूल प्रौद्योगिकियों के लिए रिसेल आउटलेट सुलभ हो सके। नवविर्तकों के लिए दुनियाभर से मांग का सुनिश्चित होना जरूरी है ताकि वह आधुनिक (ग्रास कुट्स) ग्याबोल माउड़ की प्रभावित करके सिद्ध करता है।

रामान द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के समस्त समर्थन में नई प्रविधियों को जुटाने और अपने सोसाइटियों विषारों के प्रसार में हीनी नेटवर्क का गोरस्तान सर्वाधिक उत्तराधिकारी नववाण हुआ है। वर्ष के दौरान नेटवर्क के वैश्विक कार्यक्षेत्रों द्वारा के साथ हजार दस अधिक प्रविधियों को एक ही किया गया। मार्च २०१३ में पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करने के एक वर्ष के अंतर ही सातवां राष्ट्रीय विवाहिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें मानवीय राजस्व के हजारों नवविर्तकों को समावेश किया गया। इसी तरह दो कार्यक्रमों को करने के पीछे यह संकल्प है कि सभी भारी कार्यक्रम अपने समय के अनुसार होते चलें। इसके बाद रामान और हीनी नेटवर्क की समूही टीम के उपर तकनी का मान्यता भी रहा, किंतु समर्पण के साथ इस बोझ को सहा गया। राजस्वित भवन में पुरस्कार कार्यक्रम का समाप्त होना तुर्कमूल तर की सृजनात्मकता के समान का एक अनुभव उद्देश्य था। शायद इसे एकमात्र देख होगा जहाँ राजस्व प्रमुख द्वारा ने केवल तुर्कमूल तर की सृजनात्मकता का समान किया जाता है, बल्कि राजस्वित भवन में तुर्कमूल नवविर्तकों की प्रशंसकी की मेजबानी भी हमें द्वारा की जाती है। समाज ने जिन उद्योगों के लिए रामान के उपर विश्वास किया है उन्हें पूरा करने लिए रामान अनुमोदन है।

सुश्रि (सोसाइटी फोर रिसर्च एंड इन्फोशिअटिव फोर सर्टिफिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टिट्यूशन) ने रामान एवं हीनी नेटवर्क के अन्य सहायी योजनाओं के साथ करीब समन्वय बनाकर रखे हुए दो शोध्योगिता आयोजित की। २५वीं शोध्योगिता मथ प्रदेश में जानपदिया वंश से मीलेकर, सीहर तक आयोजित की गई। मंसूर इस क्षेत्र के दूसरी दिवस प्रदेश की राजधानी में भोपाल से बहुत अधिक नहीं है, किंतु यहाँ के आदिवासी समुदायों के हालात ऐसे नहीं दिखे कि जिन पर कोई गवर्द्धन कर सके। लगभग प्रत्येक गांव में लोगों की अवसर हो बहुत अधिक थी। यात्रा के दौरान जो बातें सीखने को मिली उन सर्वाधिक
उल्लेखनीय बातों में से एक यात्रा के दौरान मिले व्यक्तियों द्वारा परिक्रिति विचारों की रेंज थी। यह सफर दिखा रहा था कि इन व्यक्तियों में से अधिकांश अपनी समस्याओं का समय प्रदर्शन मात्र इससे नहीं कर पाएगे, क्योंकि उनके दायरे अन्य स्तर के खुला और चिंता निराशाभावों का अभाव है। यदि उनकी प्रतिमा का बात करने तो वे किसी से भी कम नहीं हैं।

चूँकि इस प्रकार बात करने के लिए नेपाल के अलावा विदेश से आए व्यक्तियों ने भी हिस्सा लिया। बहुत संदर्भातील सीमात्वती इलाका आने के बादजू ही की उपेक्षा होना वाकई निराशाजनक था। राष्ट्रपति शीर्षक भंडारण के दौरान में समस्या के साथ काम करने के लिए प्रतिक्रिया उत्कृष्ट आत्मिक विचार बनने का मन भी कर लिया।

एक स्थानीय चुनाविकल्प ने राष्ट्रपति पार्टी के राज्य टीम को महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों को एक गठबंधन बनाने का अधिकार किया। इसके साथ-साथ भी यह स्थिति दशा में हो जाती है जब वे केवल चुननीयों की धोखाधड़ी करने की क्रिया होती है जब वे अक्सर जनता के साथ साथ काम करते हैं। भूमिपूर्व राष्ट्रपति शीर्षक पार्टी ने राष्ट्रपति के महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों को एक गठबंधन बनाने का अधिकार किया। इसके साथ-साथ भी यह स्थिति दशा में हो जाती है जब वे केवल चुननीयों की धोखाधड़ी करने की क्रिया होती है जब वे अक्सर जनता के साथ साथ काम करते हैं।

मार्च 2012 में छः ट्रिगराप पुरस्कार चर्चा के दौरान मुख्य वक्ता ने माननीय नवाबन चुनने पर हस्ताक्षर के योग्यता के विचारों के एक पैनल पर सचिवालय की समीक्षा की। तुरंत चयनित प्रतिपक्षी और कार्यकारी पार्टी के विचारों के एक पैनल पर सचिवालय की समीक्षा की। तुरंत चयनित प्रतिपक्षी और कार्यकारी पार्टी के विचारों के एक पैनल पर सचिवालय की समीक्षा की। तुरंत चयनित प्रतिपक्षी और कार्यकारी पार्टी के विचारों के एक पैनल पर सचिवालय की समीक्षा की। तुरंत चयनित प्रतिपक्षी और कार्यकारी पार्टी के विचारों के एक पैनल पर सचिवालय की समीक्षा की।
मुझे विश्वास है कि हमी देश के सभी स्वंभू और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सहयोग राज्य को पूर्वरत्न मिलता रहेगा जिससे राज्य तुल्यमूल स्तर पर सुधारक मुद्दाओं को सेवा में नए प्रज्ञाम रच सके। मैं प्रारंभिक कार्यक्रम का रचना करता हूँ कि हम सभी को ऐसी शक्ति प्राप्त हो कि हम ज्ञान से संपन्न व्यापक आर्थिक, विश्वासवादी और व्यक्ति व अन्य हिताधीकार के लिए अर्थात् एशिया पर खड़े उन वर्षों के दौरान इसने उपलब्धियाँ हासिल की। मुझे उम्मीद है ये समी स्थानीय वर्ष कार्य में सबसे बड़े आयोजन और यहाँ देश के स्वरूपान्तर मुद्दाओं की सेवा में कोई कसरत नहीं छोड़ें।

अनिल के गुप्ता
विनियम का संदेश

डॉ. विपिन कुमार
विनियम एवं गुरूत्व नववर्तन अधिकारी, राजन

विनियम का संदेश

मैं पूरे हास्य असमाज के साथ अपने अध्यक्ष डॉ. आर.एस. माहेश्वर और कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिता सुत्ता को, उनके द्वारा हम भी को प्रदत्त प्रतिनिधि नेतृत्व, महत्वपूर्ण कार्य करें। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साधनों को मजबूत ढील समाज के अन्य अधिकारियों के जारी समर्थन के बदले हम बाँटते लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते। मैं भारतीय प्रवास संस्थान का यहाँ विशेष उल्लेख करना चाहूँगा कि उन्होंने संस्थान की सीमित गतिशीलता में पूरे वर्ष अपनी ओर से पूरा सहयोग दिया। मैं इस अवसर पर राजन और हमी बी नेटवर्क के अपने सभी साधियों का, उनके कठिन परिश्रम एवं सहयोग के लिए और आपकी सहयोग की शानदार भावना के प्रदर्शन हेतु, आमर प्रकट करना चाहूँगा। मुझे विश्वास है कि यह आपकी सहयोग आपकी वर्ष में भी बना रहेगा और हम तुम्हारे नववर्तनों के हितार्थ सर्वाधिक यथोचित रूप में अपनी सेवाएं दे पाएंगे। सभी को शुभकामनाओं के साथ
वित्त समिति

डॉ. आर ए मारोलकर - अध्यक्ष  
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर  
राष्ट्रीय रसायनिक प्रयोगशाला  
डॉ. होमी मामा रोड, पुणे - 411008

प्रो. अनिल के गुप्ता - सचिव  
भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रागुर,  
अहमदाबाद - 380005

प्रो. पंकज चंद्र - सदस्य  
निदेशक, आईआईएम बंगलौर, बंगलौर रोड,  
बंगलौर - 560096

गुरुली इसलाम भूट - सदस्य  
संस्थापक, सेवा (स्थापत्य महिला सेवा संघ)  
सेवा रिसर्च सेंटर, विक्टोरिया गार्डन के सामने  
मद्रा, अहमदाबाद - 380007

वित्तीय लाइसेंस - सदस्य  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन,  
न्यू मैरीली रोड, नई दिल्ली - 110016

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी - सदस्य  
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रविधिकाय - भारत  
सीटेलाइट कोम्पलेक्स प्रेमचंद नगर रोड,  
सीटेलाइट, अहमदाबाद - 380095

यांत्रिक प्रबंधन 2012-13
सांगठनिक रूपरेखा
पाठ्य सूची

1. आमुख .......................................................... 5
2. प्रस्तावना .................................................. 6
2. निदेशक का संदेश ......................................... 11
3. शासी मंडल ................................................... 12
4. तिल समिति .................................................. 13
5. सामाजिक रूपरेखा ......................................... 14
6. नवप्रवर्तन मुहिम के नए वित्तिज . ...................... 15
7. गतिविधियां ................................................... 16
8. नई पहले ........................................................ 17
10. संस्थागत नीतियां ......................................... 18
11. प्रशासनिक मामले ........................................ 19
12. समाहार ...................................................... 20
12. लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन एवं तुलनपत्र .................. 21
9. नवप्रवर्तन मुहिम के नए सिद्धांत

राष्ट्रपति भवन में नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी आयोजित करने की परंपरा को बाहर रखते हुए राष्ट्रपति नवप्रवर्तन प्रतियोगिता-भारत (रानप्र) ने वर्ष के दौरान सातवें विशालस्थिर गुरुपल्लिका प्रशिक्षक करियर्स एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया। माननीय राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने राष्ट्रपति नवप्रवर्तन कल्याण के उद्घाटन एवं अपने भ्रमण के दौरान विभिन्न शिलादीवंशों के साथ मुलाकात की अलावा प्रेमे कल्याणों पारंपरिक विशेषता के नवप्रवर्तन प्रदर्शनों में नवप्रवर्तकों के साथ मुलाकात संबंधित निर्धारण लेकर भारत को नवप्रवर्तनशील बनाने की मुहिम के साथ नागरिकों के नए फिल्म में खोल दिए।

बच्चों ने इमाइटेशन कार्यक्रमों के दौरान अपनी तुल्यता से रानप्र को सुख्द आर्थिक से विभेद कर देना। इस कार्यक्रम में भारत के माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रानप्र द्वारा बच्चों का उत्साहवत विभिन्न वर्ष की भाषा इस वर्ष भी रहा।

रानप्र के लिए वर्ष 2012-13 उपविधियों का एक और वर्ष रहा है। इस अवधि के दौरान रानप्र ने सर्वजनिक तीन राष्ट्रीय अभियानों का आयोजन, गुरुपल्लिका प्रशिक्षकों के प्रभावीत करने के अंतर्गत गुरुपल्लिका परिवर्तन जिले बीजिकों का संचालन, शामिल होने वाले नवप्रवर्तकों को एक साथ बढ़ाने के लिए नए संघ के निर्णय तथा नवप्रवर्तकों को रानप्र की एवं वित्तीय समर्थन प्रदान करने संबंधी कार्यों को बढ़ावा अंजाम दिया है।

सीखने और खोजने के लिए पद-यात्राएं : शोधयात्राएं

29वीं शोधयात्रा का आयोजन सुकृत, रानप्र एवं अन्य हिन्दी नेटवर्क सदस्यों द्वारा 23 मई से 30 मई, 2012 तक मध्य प्रदेश के सीधे जिले में जमुनिया तालाब से मीलकंड तक किया गया। इस अवधि के दौरान खोज एवं विस्तृत दस्तावेजीकरण के अभियान में सुभीत दीम एवं रानप्र स्वच्छक दस्तावेजीकरण के कार्यकर्ताओं के साथ ही रानप्र पुरस्कार विभाग राजकुमार रादेश भी सहित हुए। इन आठ दिनों के दौरान देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लगभग पैसमात्रायों ने एकसाथ लगभग 130 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा की। उदर्श्य था कि अपने चार शिक्षकों से सीखने, बांनी 1) प्रकृति से, 2) एक दूसरे से, 3) नागरिकों से और 4) सर्वप्रथम अत्यन्त दृष्टि को सीखने की प्रक्रिया को तृप्त प्रदान किया जाए।

शोधयात्रा के दौरान यात्रियों ने गांव-बालों के साथ वैदिक, बच्चों और बालों के लिए विधाय एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान किए आयोजित की, सुभाषीने कार्बर्स, संगीतकारों, विशिष्ट पारंपरिक ज्ञानार्थक और नवप्रवर्तकों के साथ मुलाकात की। नागरिक की खोज बाली इस पद-यात्रा में शोधयात्री गांवों, उपनगरों, तराशक दरों, खेतों, पहाड़ियों और धारियों से होकर आए। शोधयात्रियों ने जगह-जगह पर रोग-रक्षक स्थानों को बीजें जो स्थानीय समुदायों के विशिष्ट सीरियोज अवस्था को आयोजित कर ही रही है। यात्रा के दौरान 340 विचार, नवप्रवर्तनों और स्वास्थ्य के दस्तावेजीकरण किया गया।

यात्री अपने साथ कई नवप्रवर्तनों को लेकर बालों रहे थे। इसमें अमृताभाई अप्रवत् की दशरापर वाली पूजा, जैसे कई नवप्रवर्तन शामिल थे। कुछ जगहों पर इनके बहुत अधिक दिलचस्पी दिखा रहे ग्रामीणों को उदारस्वरूप प्रदान भी किया गया। कुछ अन्य चुने सात-बाली प्रशिक्षकों जैसे कि दीलीजीतेजी कुमारिया द्वारा विकसित सिद्ध के भार को आसानी से उठाने के उपाय को भी प्रदर्शित किया गया।

30वीं शोधयात्रा 23 से 30 जनवरी, 2013 को मणिपुर के बूढंडपुर जिले में (बूढंडपुर
से हुदानुजांग (क) आयोजित की गई। इस यात्रा में भारतीय शौकताध्यक्ष ने विभिन्न गांवों से होते हुए भारतीय शौकताध्यक्ष ने अर्धक की यात्रा की। यात्रा के दौरान अपराधिक जान के समूद्र भंडार के साथ ही साथ समस्त संस्कृति नववातन, सूजनावधी हस्तकला एवं संस्कृति से समूद्र संस्कृति को देखने का मौका मिला। कुछ गांवों में विद्यालय होते समय शैक्षणिक विभाग के स्थानीय बुनारी ने प्रारंभना सभा का आयोजन किया। यात्री अपनी यात्रा के लक्ष्य में कामयाबी पायें इस उदय में कोई गांव में एक अदरक स्कूल होने की अपनी दिली इच्छाएं व्यक्त की। यहां ऐसे कई स्थान हैं जहां ४-५ किलोमीटर तक वाहनों का कोई स्कूल नहीं है। यहां ही यह क्षेत्र एक रूप में संबंधित अनाज उत्पादन लोक के लिए विकास की जिम्मेदारी फिल्म प्रारंभ करने पर है, उसकी संवेदनशीलता का यहां यज्ञ-तत्व अभाव दिखा। कुछ नया प्रशिक्षित व्यंजनें जैसे कि चाय प्रस्तुत प्रस्तुत यंत्र और बांस से आयतली बनाने के उपयोग के परिमार्जन के माध्यम से अपने इस दिशा में काम करने की एक योजना भी बनाई गई।

इंग्रेज़े 2012: बाल सूजनावधी का उदय

स्कूली विधारणों के प्राथमिक स्तरों एवं नववातनों के राष्ट्रीय वार्षिक समिति में शामिल हुए इंग्रेज़े 2012 ने पुरुषों का विद्यार्थी समिति द्वारा इंग्रेज़े 2012 पुरुषकर कार्यक्रम में पुरुषकर करने हेतु चुना गया। इसके अलावा २० विधारणों को उनके विचारों के लिए विषय नामांकन हेतु चुना गया। इस वर्ष कलेक्टर एवं २० विधारणों को प्रशिक्षण उद्योग विशाल में पुरुषकर लिया गया। यह पुरुषकर अपने समय से अपने के विचारों को दिया जाता है, जो मात्र ही जान बताया जाने को हो। कितने भावना में यह एक वार्षिकता बनने की क्षमता रखते हैं। ये विचार आज अभावित क्षमता सकते हैं हैं लेकिन जैसे-जैसे प्राथमिकी उत्पादन होगी इससे साक्षरता करना संभव हो सकता है। यह उल्लेखनीय तथ्य है कि विशेषताओं में देश मर्यादा के लगभग हर कोई का प्रतिनिधित्व था। ये बच्चे २५ रायों में फैले २० जिलों से ताल्लूक रखते थे। ने एकौन अंदूल कलाम के जन्म दिवस के दिन यात्री २५ अक्टूबर को पुरुषकारी के घोषणा की गई, जिसे रामप्रा द्वारा बाल सूजनावधी नववातन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पुरुषकर समारोह १० नवम्बर २०१२ को आईआईएम, आहमदाबाद परिसर के आईआईएमआई प्रसारण में सम्पन्न हुआ, जिसमें पुरुषकर वजेता बच्चों के साथ उनके परिवार जनजीवन का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर ही एनीजेन अबूल कालम ने स्वयं अपने नाम, स्वयं के बच्चों को पुरुषकर किया। राजनीति ने बच्चों के विकास पर आहमदाबाद प्रोटोटाइप बनवाया था और अभियांत्रिक पुरुषकर वजेता के पेटेंट आमदेन बच्चों के नाम से फाइल किये थे। इस अवसर पर एक टेक्नोलॉजी औषधि विशेषता स्वयं के बच्चों को ३३ मिनटी देबोलेट उत्पादकता दिए, जिसमें इंग्रेज़े की अन्य विधारणों की अंग्रेजी-पुरुषकर के तथ्य से अद्वितीय देशविद्वान की तमाम सामग्री सॉफ्ट कॉपी के रूप में समर्पित की गई।

इस कार्यक्रम के अवसर पर पुरुषकारी विचारों के प्रोटोटाइप के एक प्रदर्शन के भी आयोजन किया गया। अन्य विचारों को वार्षिकता में पुरुषकर से अन्य समय देख बच्चों के चेहरे पर आई चक्क को सजावट ही देखा जा सकता था। प्रदर्शन के क्षेत्र में बहुत जीवनायातां रही। पुरुषकर वजेता बच्चे, उनका परिवार, मीडिया के प्रतिभाभूत स्थानीय विधारणों के विधायक और शिक्षक एवं अन्य अंगूठियों
का एक अच्छा-खासा जमावड़ा था। पूरा माहील नए विचारों पर आपसी संबंध से उज्ज्वल हो उठा था। लोग बच्चों से उनके विचारों पर बातचीत कर रहे थे और उनके प्रोटोटाइप को देख-समझ रहे थे।

हाँ, कलम ने इस मौके पर स्वयं पर भरोसा रखने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न प्रमुख अनुष्ठानों के उत्सव में देशों आयात किया कि वे अपने अनुभवों के लिए आबाद आए। अपने अनुभव को वास्तविक उदाहरण के द्वारा उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे स्वयं अपने और समाज के जीवन की बेहतरी और बड़े बदलाव के लिए लड़की निर्धारित करें। इमाइट में पहली बार एक एनिमेशन किंड को भी दिखाया गया। दशकों ने इस नई पहल को काफी पसंद किया।

पुरुष कृति तृणमूल नवप्रवर्तकों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान का सातवां राष्ट्रीय विवारिक पुरस्कार कार्यक्रम

बहुतीतिहास तत्त्व राष्ट्रीय विवारिक पुरस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ १५ अगस्त, २०१३ को दोपहर १२.३० बजे राष्ट्रपति भवन में मुगल गार्डन के निकट हुआ। इस आयोजन में ४४ नवप्रवर्तकों और ५ समूहों प्रतिनिधियों को कुल ५५ पुरस्कार प्रदान किए गए। भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने देश के विभिन्न पुरुष कृति तृणमूल नवप्रवर्तकों को २० राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने बेलगड़ा, कर्नाटक के अन्तर्गत सहाय उद्योगी को लाइफटाइम अधीनमंत्र पुरस्कार से पुरस्कृत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने इंडिया इनोवेट्स पुरस्कार के दूसरे संस्करण का अनावरण किया। माननीय राष्ट्रपति के साथ इस मौके पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जयप्रकाश रेण्ड्री, राष्ट्र के अध्यक्ष डॉ आर ए मारोलकर तथा डीएसटी के सचिव डॉ टी रामासारी भी मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर भारत सरकार के अनेक सचिवों एवं अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। विस्तार दूभावना/वाणिज्य दूभावना के प्रतिनिधियों के साथ ही साथ उद्योग, अकादमिक जगत, नागरिक समाज, विवारिक वर्ग से जुड़े अनेकों लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

पुरुष कृति तृणमूल नवप्रवर्तकों को २५ फरवरी, २०२० के ३१ मार्च, २०१६ तक चली प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त ९९,००० प्रतिनिधियों की थी कटन के बाद बूढ़ा गया था। विभिन्न स्तरों पर गहन चंद्रें दे बाद ही अंतिम निर्णय लिए गए थे। सभी प्रतियोगिता तकनीकी तथा पेटेंट एवं यूरो-पेटेंट प्रायोगिक सर्च के विभाग दोनों, तबत नवप्रवर्तन की नैन्ता/विशिष्टता, नागरिक प्रभाविता और सामाजिक स्वीकार्यता की जांच के संबंध में, इस उद्देश्य हेतु तीन शोध तत्त्वाधीन समितियां (आरएसी) बनीं थीं। इन समितियों में देश के विभिन्न हिस्सों के तृणमूल नवप्रवर्तकों (पुरुष पुरस्कार कार्यक्रम के विभिन्न अन्तर्गत) के अंतर्गत शीर्षस्त्र शोध एवं विकास संस्थानों के प्रवेश, इंजीनियरिंग, कृषि एवं पशु चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कृतियों का अधिकृत था। छोटे-छोटे इंजीनियरिंग नवप्रवर्तकों की समीक्षा हेतु गटित शोध तत्त्वाधीन समिति की अपवाद का आईडीएसी महास दो प्र. अस्थायी समूहसूची एवं कृषि एवं पशु चिकित्सा संबंधी प्रतियोगियों की समीक्षा वाली शोध संहार तत्त्वाधीन समिति की अपवाद का प्र. एल गोष्ट, तत्कालीन अध्यापिका नागरिक पीपीएस एक एकाएए, नई दिल्ली ने की।
रामप्रति राजनीति के अध्यक्ष डॉ आर.ए.माओलकर ने अंतरिक्ष का हार्दिक स्वागत किया और नवनर्वास के दर्शन में नवविद्याओं के वियोग को आमि ले जाने के लिए राजनीति का हार्दिक आमका व्यक्त किया। प्र. अभिन नुमार गुला ने वह राजनीति को नवनर्वास मुहिम को दिए गए उनके समर्थन के लिए आमका प्रतिक व्यक्त किया।

अपने संघर्षक भवन में उन्हें राजनीति द्वारा ली गई भवन का उल्लेख किया कि माननीय राजनीति ने इस मुहिम में केंद्रीय विश्वविद्यालयों को शामिल करने के लिए राजनीति नवविद्याओं का लक्षात्मक संकेत करने के लिए राजनीति के ब्रह्मण के दौरान नवनर्वास प्रदर्शनियां आयोजित करने संबंधी गतिविधियों में शामिल होने हेतु अपनी स्वीकृति दी है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रीणयोगिकी मंत्री श्री एस.जयपाल रेंधी ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि राजनीति के हाथों पुरस्कार वितरण के बहुत संदेश देता है कि देश को अपने नवविद्याओं पर भरोसा है। अंतरिक्ष के नवविद्याओं से तुरंत नवविद्याओं की स्थिति को उन्होंने इस रूप में व्यक्त किया कि तुरंत नवविद्याओं की भावना और उत्पाद दोनों ही रूपों में नवनर्वास के लोकतात्त्विक रूप का उद्देश्य रखते हैं और उनमें परिचय से बाहर के समायोजन की क्षमता होती है। उन्होंने रामप्रति द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहे नवविद्याओं सहित सभी संबंधित नवविद्याओं का विभिन्न साधनों के माध्यम से वाणिज्यिक करने के संबंध में राजनीति ब्याट में र. 200 करोड़ शामिल किए जाने की भी घोषणा की।

यथार्थक प्रांत के कुछ समय जीवन में सुषमामकता प्रदान करती है। उन्होंने कार्यकम में पुरस्कृत होने वाले कई नवविद्याओं के बारे में इस तथ्य कि भी संज्ञान लिया कि नवविद्याओं ने मित्रताएं और प्रभावी समायोजन लोकता की क्षमता प्रदर्शित की है। उन्होंने कहा कि भारत शायद एकमात्र ऐसा देश होगा जहाँ तुरंत नवविद्याओं राजनीति नवविद्याओं प्रणाली का एक अभाव हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर बत दिया कि अब वह समय आ चुका है जहाँ सार्वजनिक प्रशासन के सभी घरों पर भी नवविद्याओं संस्कृति का संसाधित रूप में प्रदान किया जाए। राजनीति ने आयोजन द्वारा प्रदर्शित नवविद्याओं का
की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और पुरस्कार
विजेताओं के साथ बातचीत की।

कार्यक्रम के उत्तरार्ध में दो आरए मार्शलकर ने 8
राज, ¹७ संयुक्त, ¹ प्रसार, ² सहयोगिता, ³ मीडिया
पुरस्कार के साथ ही साथ एक स्कूल पुरस्कार भी
दिया। ⁴ नवप्रवर्तकों को उनके कार्य के लिए प्रशंसा
प्राप्त करने वालों ने समापन किया। दो मार्शलकर ने पुरस्कार
विजेताओं को बधाई दी और इस बात का उल्लेख
किया कि उनकी सृजनात्मकता को देखना हरेक
व्यक्ति के लिए बिखरना प्रसन्नदायी
है।

राजदृष्टि भवन, नई दिल्ली में
वार्षिक नवप्रवर्तन प्रदर्शनी

नगरात चौथे वर्ष राजदृष्टि
भवन में नवप्रवर्तकों की प्रदर्शनी
का आयोजन हुआ। इस बार
यह प्रदर्शनी राजदृष्टि भवन के
खेल मैदान में १५-१२ मार्च, २०१३
को आयोजित हुई। महाराष्ट्र
के राजदृष्टि श्री प्राप्त वृत्तिजी ने
इस नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का
उद्घाटन किया और इस मौके
पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
मंत्री जयपाल रेखा, राजन के
अध्यक्ष डॉ आरए मार्शलकर,
डीएसटी के सचिव डॉ आरए
रामासामी, राजन के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार
गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री प्राप्त
मुख्यों ने नवप्रवर्तनों में मान्यता दिए थे। विशेषज्ञ
पर वचन के नवप्रवर्तकों को उन्होंने बड़ी उल्लेख
किया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की
और उनके प्रयासों को सराहा।

नवप्रवर्तकों के लिए यह एक विशेष सूचक का मौका था
कि भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिमा वेमीश्श
पाटील ने न केवल नवप्रवर्तकों को अपने आवास पर
आमंत्रित किया और उनके विचारों को जाना, बल्कि
समापन दिवस के दिन वह स्वयं प्रदर्शनी में आयीं।
उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राजीव जोशी,
उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री
अभिमुख भारत सरकार के विज्ञान विभाग का वर्तमान
कृष्ण आर्यन एवं राज्य सरकार के विज्ञान विभाग
राज्यपाल अभीन्न मंत्री श्री अभिजात प्रकटन के
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया। उसके नाम
राजस्व मंत्री राजपाल ने भी उपस्थिती
में यह प्रस्तावना का मूल किया।
प्रदर्शनी के इस अवसर का उपयोग नवपत्रकों को एक बेड आयोजित करने के लिए भी किया गया। इस बेड के मूल नवपत्रकों ने आयोजन बनाने के लिए विभिन्न बातें कहा। प्रदर्शनी के बारे में अनेक अलेक्स व नवधारक अपने तीन राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित हुए। कुछ फिल्म निर्माताओं ने नवपत्रक से भी नवधारकों को विविध फाउंडेशन की। न्यूज फाउंडेशन ने नवपत्रकों पर अपने दृष्टि आयोजन के लिए नवपत्रकों को इन्टरनेशनल की।

वास्तव में यह साधन उपयोगी नवपत्रक अनुसंधान के लिए इन्टरनेशनल प्रतियोगिता विधायिका के लिए नवपत्रकों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता इन्टरनेशनल 13 के लिए प्रतियोगिता नवपत्रकों की जा रही है। अन्य तक 5000 प्रतियोगिता के लिए भी चुनी गई। इस प्रतियोगिता के नवपत्रकों की भोजन दिन और रानी बाल बुझालने के लिए बेटो प्रतियोगिता एवं पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान तीन प्रतियोगिता चुनिन्दी - मंत्री द्वारा रोपाई यंत्र, ईमानदार लकड़ी/ वायुमान वाला चुल्ला और चाय की पती तोड़ने का उपयोग की घोषणा के बाद रानियाँ को इस संबंध में 500 से अधिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इनमें से एक विशेष चुनाव में चुनाव के बाद 65 प्रतियोगिता के रानियाँ के समस्त 31 मार्च, 2012 तक प्रोटोटाइप प्रकाश करते हुए प्रस्तुत किया।

2. मनोहर क(ख) खोज एवं दस्तावेजीकरण राष्ट्रीय दिवसिक प्रतियोगिता

गृह सचिवालय प्रांत मुंबई नवपत्रकों एवं विशेष पालनपरिवर्तक ज्ञान की आवश्यक राष्ट्रीय दिवसिक प्रतियोगिता (2011-13) का समापन 31 मार्च, 2013 को हुआ, जिसमें लगभग 42000 प्रतियोगिता आयोजित की गई। इनमें से लगभग 37000 को प्रतियोगिता में विवाहित प्रतियोगिता के रूप में योगदान पाया गया। आवेदन प्रतियोगिता के लिए प्रतियोगिता की समीक्षा का नाम पहले ही शुरू हो चुका है। नगर राष्ट्रीय दिवसिक प्रतियोगिता एक अभिनव, 2013 से शुरू होकर 31 मार्च, 2015 तक चलेगी।

वाक्य की सुझावकेत्ता के लिए इन्टरनेशनल प्रतियोगिता विधायिका के विचारों एवं प्रतियोगिता का राष्ट्रीय प्रतियोगिता इन्टरनेशनल 13 के लिए प्रतियोगिता 31 जुलाई, 2013 तक आयोजित की गई। अब तक 5000 प्रतियोगिता के लिए भी चुनी गई। इस प्रतियोगिता के नवपत्रकों की घोषणा दो दिन बाद एवं अनुबंध कल्पना के जन्मदिन के अवसर पर 31 अगस्त, 2013 को की जाएगी, जिसे रानी बाल बुझालने के लिए प्रतियोगिता एवं नवपत्रक दिवस के रूप में मनाया गया है।

राष्ट्रीय नवपत्रक आयोजन - मात्र
चुबचनपुर (२१ अगस्त, २०१२), जम्मू एवं कश्मीर में कटुआ जिला और जाधवसिंहगढ़ (३ नवम्बर, २०१२) निजी शामिल हैं। इन बैठकों और कार्यशालाओं में १०० से अधिक नवप्रवर्तकों/ पारंपरिक ज्ञान धारकों ने भाग लिया।

हनी बी नेटवर्क के प्रमुख स्काउटिंग सहायोगियों के साथ एक बैठक का आयोजन ८ दिसंबर, २०१२ को आयोजित की गई। इस बैठक में इन लोगों ने प्रत्येक दिन विवाह, नवप्रवर्तनों एवं उनके पारंपरिक ज्ञान उद्घाटन की खूब में विविध विषयों में पैटर्न बनाया जा की। लगभग १०० ऐसे उद्घाटन एवं उद्घाटन ने दी दर्शक तथा विद्वान बनाया। इस बैठक के दौरान विचार में बैठकों के भी आयोजित की गई जिनमें केंद्र और हालात बाहर आया के विश्वसनीय गतिविधियों के लिए एक समृद्धियों पर ध्यान दिया गया।

(ख) मूल्य परिवर्तन, शोध एवं विकास सार्वजनिक राजस्थान शोध सलाहकार समिति बैठकों

इस कार्यक्रम के तहत इन लोगों ने प्रत्येक दिन विवाह, नवप्रवर्तनों एवं पारंपरिक ज्ञान उद्घाटन की खूब में विविध विषयों में पैटर्न बनाया जा की। लगभग १०० ऐसे उद्घाटन ने दी दर्शक तथा विद्वान बनाया। इस बैठक के दौरान विचार में बैठकों के भी आयोजित की गई जिनमें केंद्र और हालात बाहर आया के विश्वसनीय गतिविधियों के लिए एक समृद्धियों पर ध्यान दिया गया।

शोध शिविर

एक तीन दिवसीय शोध शिविर जम्मू एवं कश्मीर के गांववाल जिले में १९-२२ सितंबर, २०१२ को आयोजित किया गया। इसमें जम्मू एवं कश्मीर टीम के ४ सदस्यों और राष्ट्र के ५ सहकर्मी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत इन लोगों ने प्रत्येक दिन विवाह, नवप्रवर्तनों एवं पारंपरिक ज्ञान उद्घाटन की खूब में विविध विषयों में पैटर्न बनाया जाता की। लगभग १०० ऐसे उद्घाटन ने दी दर्शक तथा विद्वान बनाया।
बारह पीठ कितियों (धान, गाजर, बंगान, तुरई, सरसो, सिंह, लीली एवं लौकी से एक-एक और अलग-अलग रंगों के मकर से वो) को चुल्लियों में लगाने की कला शुरू की गई। इस चुल्ली के इतिहास में एक उल्लेखनीय प्रभाव बना।

यह बतलाया जा सकता है कि "बारह हवल्ल मिश्रण" का शिक्षण की कीटों के निर्माण एवं फसल अभियुक्ति प्रसारण की उनकी वातावरण की जांच के लिए यांत्रिक अनुसंधान प्रौद्योगिकी आवश्यक है।
टीएनपीएससी, तमिलनाडु, पश्चिमिकत्ता महाविद्यालय, एसकेएसपयूरसक्टीद, जम्मू एवं काश्मीर और पश्चिमिकत्ता एवं पश्चिमिकत्ता महाविद्यालय एवं सीसीके एपीकी, हिंदीतल प्रदेश अभान हैं। कुक्मु रोगों के उपचार हेतु वेदायन तीव्र और नियमित रूप से इन देशों में लोगों के मुख्य संस्थानों के लिए कई संस्थानों से संपर्क किया गया, जिनमें वेतायनी गूणविनिर्भर प्रौद्योगिकी एवं रसिर संचार रोग स्टेट्स, द्वीपसमूही, तमिलनाडु और कलक्टेक और बेंगलुरु साइन्स, केंब्रिजएफएसएस, हसान, कौन्टिक रोग संरक्षण मैटल में न आता, जो लोगों के लिए हल्द औषधियों को काफी संभावनाशील पाया गया।

इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों में भूमि परिवर्तन और इनका प्रमाणिकरण

शोध सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुत हेतु छांटे गए नवाचारों में से अभिक्रिया की प्रदर्शन भूमि नाविकों से जोड़ा गया। जमीनी से जल जल निकलने तथा प्रामाणी क्षेत्रों में विसूद्र उत्पादन हेतु कर लागत की प्रक्रिया के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीगार, बेंगलुरु की ज्ञान के लिए इन समस्या के लिए इंजीनियरिंग बैंक में डिजाइन सुनाया हेतु एसकेएसप डिजाइन विभाग, हातियार, शौकान नियंत्रण के पर्यावरण के लिए अंतो मौलिक रसिर संचार एसिंसिफियन और डिजाइन (एआरएआई), वृत्त, महाराष्ट्र और प्राकृतिक नुसा आधारित तापस्टिक (मिट्री कूल) के पर्यावरण के लिए वनस्पती कृषि विकास और वनस्पति, गुरुमार्ग, अरांस के लेख आधारित इंजन के पर्यावरण के लिए जैनेटीपी कालुए ऑफ इंजीनियरिंग हैंडबुक, संशोधित पिछं कीटनाशक यंत्र के प्रमाणिकरण के लिए केंद्रीय कृषि अभियंत्र संस्थान, भोपाल, संशोधित जल ऊष्मा चूहे के प्रमाणिकरण के लिए अभिक्रिया व फूडप्रोडक्ट विनियास विभाग, उद्योग, संशोधित इंजन के प्रमाणिकरण के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुजराती चतुर्वेक, मुंबई और देश के प्रमाणिकरण के लिए कृषि अभियंत्र एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पायो, जुनागढ़ और मैजुनाल धारा बौज़ यहां के प्रौद्योगिकी विकास के लिए मेक्सिक परियोजनाएं डिजाइन बैंक, अहमदाबाद में पर्यावरणकारण शुरू की गई। राजन ने विशेष संस्थाओं में जल जल निकलने तथा प्रामाणी क्षेत्रों में विसूद्र उत्पादन हेतु कर लागत की प्रक्रिया के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीगार, बेंगलुरु की ज्ञान के लिए इन समस्या के लिए इंजीनियरिंग बैंक में डिजाइन सुनाया हेतु एसकेएसप डिजाइन विभाग, हातियार, शौकान नियंत्रण के पर्यावरण के लिए अंतो मौलिक रसिर संचार एसिंसिफियन और डिजाइन (एआरएआई), वृत्त, महाराष्ट्र और प्राकृतिक नुसा आधारित तापस्टिक (मिट्री कूल) के पर्यावरण के लिए वनस्पती कृषि विकास और वनस्पति, गुरुमार्ग, अरांस के लेख आधारित इंजन के पर्यावरण के लिए जैनेटीपी फैक्टरिंग सुविधाओं का विकास

राजन और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड क्राइटी डेवलपमेंट सेंटर (ईक्सपूरीती), गांधीगार के बीच, 25 मार्च, 2012 के समयसे यह सत्ता दिशाल हैं जो इंडियनीं में व्यावहारिक कर दिया गया है। गौरवशील है कि एमआईटी के फेलो नेटवर्क की मदद से 2009 में इस डिजिटल फैक्टरिंग को बनाया गया था। कुछ नई मशीनों और नई तकनीकें विकसित की गईं। और यह मशीनों ने भी खुदी गई, जो बुनियादी प्रौद्योगिकी संस्करणों के रूप से किए थे। यदि एमआईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड क्राइटी डेवलपमेंट सेंटर (ईक्सपूरीती) के माध्यम से यह सत्ता स्थापित किया गया था। समय की जगह नई मशीनों और नई तकनीकें विकसित की गईं।
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण/नवीकरण

महाराष्ट्र के गैर-एकस्वरूप अंतरराष्ट्रीय विपणन अधिकारियों को ऑपरेटर मैनेजमेंट कंसर्टेंट्स, दुबार को सीधा गया। नवीकरण जलवायु की प्रौद्योगिकी को राष्ट्र पुनर्गठन प्रांगण में मनुष्यकार्यालय प्रजन्ति को हस्तांतरित किया गया। मनुष्यकार्यालय में होंने कोई अमेरिका से महाराष्ट्र कूल रेडीजेरेट की १०० इकाइयों का एक ऑर्डर भी प्राप्त किया।

राजन/राजन ने हस्तांतरित गते का रस फिकाइयों वाले घरेलू यंत्र के गैर-एकस्वरूपित निर्माण एवं विपणन अधिकारक एक अध्यादेश रक्षित उद्यमी को हस्तांतरित किया, जिसमें डिजाइन में उत्लेखीय सुधार किया।

इस संस्थापित डिजाइन को आईआईएम अहमदाबाद में दिसंबर 2012 में आयोजित हुए पारंपरिक खाद्य महोत्सव के दौरान प्रदर्शित किया गया था।

मार्च 2012 में राजन ने तुलनात्मक प्रौद्योगिकी नवीकरण अभियान निधि (जीटीआईएएफ) के तहत गोपाल मिश्र के साइकिल आवारित गिराई यंत्र के बौद्धिक संपदा एवं संवेदनशील झान अधिकारियों और/या स्वतंत्र अधिकारियों का अभियान किया था। जनवरी 2012 में राजन ने इस साइकिल आवारित गिराई यंत्र के गैर-एकस्वरूपित निर्माण एवं विपणन अधिकारकों को हैदराबाद के एक उद्यमी को हस्तांतरित किया, जिसमें निराइंग यंत्र के मानकीकरण हेतु आवश्यक जुड़नार विकसित किए।

राजन ने झान पश्चिम के माध्यम से अमरावती, महाराष्ट्र स्थित उद्यमी को तीव्र प्राप्तिलिक जल संचयी पूर्व में हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के नवीकरण को भी संपन्न करारा। इस समझौते के तहत उद्यमी के पास इस नवीकरण हेतु महाराष्ट्र राज्य में एकस्वरूपित विनिमय एवं विपणन अधिकार होगे।

तुलनात्मक प्रौद्योगिकि के वाणिज्यीकरण हेतु पुष्प गृह के सहयोग से आईडिया इंडिया का इनोवेशन प्राकृतिक विनिमय की स्थापना

राजन और पुष्प गृह द्वारा एक लामकारी कंपनी आईडिया इंडिया का इनोवेशन प्राकृतिक विनिमय की स्थापना की गई है, जो वैभव बाजारों को दृष्टिगोचर रखते हुए बाजार अनुकूलन, उत्पाद विकास एवं उत्पाद निर्माण गतिविधियों द्वारा राजन प्रौद्योगिकियों पर काम करनेगी। कंपनी ने विभिन्न ऐसे उद्यानों को छापता है जिसे अपने संयुक्त वैज्ञानिक वेबसाइट के साथ बनाया किया गया था। राजन और पुष्प गृह दोनों की ही इसमें व्यापार-वित्त अंतर्गत मध्यस्थित रहनेगी, जिसमें राजन का आपना निवेश नववर्तकों की ओर से प्रौद्योगिकि के रूप में ही होगा। कंपनी उन उद्यानों को प्रतुत करेगी जो भी मायने में भारतीय होंगे और इनकी ब्रांडिंग आईडिया इंडिया का रूप में होंगी। यद्यपि आगे की प्रगति धीमी रही है, लेकिन वह उम्मीद है कि शीघ्र ही यह गति पकड़ेगी।
तुम्हारे उपकरणों के वाणिज्यीकरण के लिए टाटा एयरोको के साथ समझौता
कृपया उपकरणों के क्षेत्र में परस्पर सहयोग हेतु राजन मोबिल और टाटा एयरोको के बीच 6 जनवरी, 2013 को एक एमबीजी हस्ताक्षर हुआ, जो कि एक नई सुरक्षा है।
इस समझौते के तहत राजन मोबिल एक वर्तमान नवप्रत्यक्षों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की सह-शार्डिंग करेगा।
इस पहल की सुरक्षा रोल्सरोइल विश्वविद्यालय के गट की आखिरी निकालने वाले संघ की सह-शार्डिंग का सह-शार्डिंग है। टाटा एयरोको नवप्रत्यक्ष से इस संगठन को प्राप्त करेगा और उसे टाटा आउटसोर्स के माध्यम से बेचना। इसमें नाम के एक समय अंश को नवप्रत्यक्ष को दिया जाएगा। एक बार यह पायलेट परियोजना पूरी होती है और राजन डेवलप्स की कई अन्य प्रौद्योगिकियों की इस समझौते के तहत सह-शार्डिंग की जाएगी।
आईयुएआईडी इन्फोर्मेशन, ऑव्सार्कोर्स विश्वविद्यालय के साथ समझौता
वैश्विक सार पर तुम्हारे उपकरणों को आगे बढाने की कोशिशों के क्रम में राजन ने आईयुएआईडी इन्फोर्मेशन लिमिटेड के साथ एक एमबीजी द्वारा अधिकारिक किया है।
आईयुएआईडी इन्फोर्मेशन ऑव्सार्कोर्स विश्वविद्यालय की प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण कंपनी है। इस एमबीजी के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं की योजना बनाई गई है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपणन, तारीख प्रौद्योगिकी, मूलभूत और वाणिज्यीकरण के तरीके, रणनीतिक समझ, प्रशिक्षण और उद्योग, प्रौद्योगिकी विकास समर्थन उद्योग और निवेशकों के साथ संबंध निर्माण तथा प्रौद्योगिकी और कंपनी अधिग्रहण समर्थन शामिल है।
नवप्रत्यक्षों की कंपनियों द्वारा स्थापित करना
राजन में नवप्रत्यक्षों के लिए स्वयं स्वामित्व वाली या प्रायद्वेष लिमिटेड वाली कंपनियों की स्थापना की पहल की है। पहले चरण में 93 नवप्रत्यक्षों को इसमें लिया गया है। इस पहल के चलते नवप्रत्यक्षों को अपने उद्योगों के निर्माण एवं विभाजन के साथ ही साथ निवेशकों को अकार्यित करने में भी मदद मिलेगी। एक नवप्रत्यक्ष की कंपनी गठित हो चुकी है, जबकि शेयर के लिए प्रतिबंधारण जारी है।
प्रौद्योगिकी समाधान गृहों (कलीयरिंग हाउसेज) को तैयार करना
फैक्टरिंग, उद्योगों और निवेशकों को अकार्यित करने के क्रम में नवप्रत्यक्ष एवं जीवित राजन में प्रमुख समाधान में एक विचारणा प्रकाशित कराया गया, जिसके परिणाम स्वरूप राजन को लगभग 300 पूर्णताएं प्राप्त हुई। राजन ने भारत में मार्च 2013 में आयोजित बौधी नवप्रत्यक्ष प्रदर्शनी के दौरान प्रौद्योगिकी तटस्थितीकरण के लिए तैयार प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन हेतु एक माइद-अप मार्केट अन्वेषण का नवप्रत्यक्ष बनाया गया था। विभिन्न प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए इस्तेमाल कंपनियों के साथ समझौतों हेतु लागातार आयात किया जा रहा है।
अन्य गतिविधियाँ
चार ई एवं कॉमी संबंधित नवप्रत्यक्षों के सामग्रिक एवं वाणिज्यीकृत प्रसार के दृष्टिगोचर विषय चार एवं कॉमी प्रदर्शनी में राजन की व्यवसायिक कंपनी ने सार्वजनिक हितार्थ (प्रौद्योगिकी) में वर्तमान वेबसाइट के बदले 91 पेटेंट आवेदन किए गए। इसमें से एक आवेदन पेटेंट कारकों से (पैनोर्मी) के तहत किया गया। किसी जीवन द्वारा विकसित पैनोर्मी कंपनियों के संबंध नवप्रत्यक्ष हेतु छोटे बिजली पैनोर्मी एंड एकार्य एवं फाइलें फाइल किए गए। राजन ने पैनोर्मी द्वारा स्थापित धारक आईएएस रिपोर्ट भी प्राप्त
की और भारतीय चेतना कार्यालय से 27 आवेदनों की प्रथम जोड़ रिपोर्ट (एकाईआर) प्राप्त की। आईपीआर टीम ने 62 आवेदनों के संबंध में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राप्तीकरण (एनबीए) के साथ भी समन्वय बनाकर काम किया।

(2) सूचना प्रौढ़ोंकी वेबसाइट का नया स्वरूप
रानप्पा ने अप्रैल 2013 में अपनी वेबसाइट को एक नया स्वरूप प्रदान किया। इसमें खोज सुविधा को इंटरफेस बनाने का प्रयास किया गया है और सभी पुस्तकार उप डोमेनों को एक समस्त फॉर्मेट में विकसित किया गया है। रानप्पा के आधारिक वेबसाइट बैनर को अभियंता भीतर द्वारा डिजाइन किया गया है जो एक विविध नवविद्याओं है और जिन्हें छोटे राष्ट्रीय विविध पुस्तकार कार्यक्रम 2012 में राष्ट्रीय पुस्तकार जीता है।

इन्हें आईटी के लिए ऑनलाइन विज्ञापन जमा करने का एक गंभीर रानप्पा वेबसाइट के लिए ओपन सर्व सेंटर प्रशिक्षक में एक ऑनलाइन विज्ञापन जमा करने का प्रेंटफॉर्म विकसित किया गया है जो कि अभी परीक्षण चरण में है। इस प्रेंटफॉर्म की मदद से विद्यार्थी को जमा करने, उस पर टिप्पणी करने, पत्र करने, उन्हें सोशल मीडिया पर आपस में बांटने के साथ ही साथ विचारों की छटाई भी आसान हो जाएगी।

सामाजिक विभागों, सांस्कृतिक और रानप्पा पुस्तकार विभागों के ऑनलाइन नक्शे तैयार करना रानप्पा की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं, रानप्पा के साथ काम कर रहे सांस्कृतिक, सामुदायिक कार्यक्रमों के नेतृत्व के ऑनलाइन मानचित्र को विकसित किया गया है। इनमें चित्रण किन्तु मांग किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन लंच ऑनलाइन विकसित किया गया है, जहां सांस्कृतिक, विचारों, निर्देशों, सुझावों इत्यादि को क्रस्क डर्ड जमा किया जाता है।

यह शिक्षण लंच सभी सहकारों के अनुभव के ना जाना को एक सहायक एक जीवन उपकरण के साथ ही साथ यह शिक्षण लंच के लिए परीक्षण सामग्री की भी काम करता है।

प्रारंभिक सर्वेक्षण मुख्य प्रारंभिक सर्वेक्षण को दर्ज करने और उसे संदर्भित करने के कार्य को सुविधा किया गया है, जिसे नवरत्न अंतर्गत अनुभव हेतु समुदाय द्वारा उपयोग किया जा रहा डेटाबेस के साथ संबंधित है। इसकी समाधान की जा सकती है और सहकारों से प्राप्त होने वाले सुझावों के आधार पर अध्ययन किया जा रहा है।

(च) सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार
तुल्यमूल नवप्रवर्तन का सामाजिक प्रसार
dेश के उन हिस्सों में प्रसार के लिए, जहां तुल्यमूल नवप्रवर्तन प्रारंभिक जान प्रदान कर रहा, यथायोग्य परामर्श के लिए जान प्रदान कर रहा है। इस क्रम में रानप्पा ने सात राज्यों में 29 प्रशिक्षकों के प्रवेश/सामाजिक प्रसार के लिए प्रशिक्षण की स्थिति दी। ये परीक्षायोजना विभिन्न जान केंद्रों द्वारा जान इकाइयों तथा अन्य क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से की गयी।

तुल्यमूल प्रौढ़ोंकीय नवप्रवर्तन अधिग्रहण निधि (जीटीआईए) सातवीं राष्ट्रीय सोच समर्थन समिति की 2-7 जनवरी, 2013 के दौरान हुई बैठकों में देश के मिश्रित हिस्सों में जीटीआईएके तहत अभियंता प्रौढ़ोंकीयों के सामाजिक प्रसार/सूचना प्रसार हेतु सुझाव प्रस्ताव करने के लिए विशेष निष्पादकों से परामर्श किया गया। इन बैठकों के
दौरान जीटीआईएफ के तहत अभियान लायक प्राथमिकताओं की पहचान हेतु कई प्राथमिकताओं पर चरम हुई। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य ने बाहर सामाजिक रूप से उपयोगी तुलनात्मक नववर्तनों के अधिकारों का अभियान किया है और इस समेत में नववर्तनों को कुल रूप से 5,29,000 (पुराने सात लाख चक्कर हजार मात्र) का भुगतान किया गया है।

प्रदर्शनियों और मेलों में भागीदारी
पणजी में वोटिंग नियुक्त सोसाइटी ऑफ गोवा द्वारा 91-13 गई 2012 के दौरान आयोजित कोकण फल महोत्सव में राज्य ने पहली बार इस वर्ष भागीदारी की। यहां तुलनात्मक प्राथमिकताओं की एक प्रदर्शनी लगाई गई और आंगतूकों के बीच परिवार, पोतोरों और सोही की वितरण किया गया। इस प्रदर्शनी में मो. सैलुलाह (विहार) व विभागीय व्यापार संस्थान (उत्तर प्रदेश) द्वारा विकसित जल-स्वच्छ वाल साइकिल के तीन मोडल विशेष आर्किटेक्चर का केंद्र बना रखे। लोग इन्हें देखकर उनका उत्साह रखते थे कि कई आंगतूकों ने तो इन्हें स्कूल चलाकर देखने की इच्छा जारी की। ये साइकिलें आंगतूकों को सीखी गई ताकि इन्हें तालाब या समुद्र में चलाकर आनंदामुग्ध रहे और तत्कालीन प्रशिक्षणार्थी राज्य को प्राप्त हो सके।

हैदराबाद में 1-19, 2012 के दौरान जेव कार्यालय के विशिष्ट पहाड़ी को कंकूर राज्य के साथ-साथ चल रही प्रदर्शनी में राज्य ने पीपीएिडएफआरए, आईएएसजीआर और जीन कैम्पेन के साथ मिलकर भागीदारी की। दिसंबर 29-31 2012 के दौरान इंसपेक्टर कैम्प (डीएसडी) में राज्य ने वह वर्ष के नववर्तनों पर आधारित एक ही रंगीन प्रदर्शनी का लगाया। इस कैम्प में देश के विभिन्न हिस्सों से 9000 सूचना वाले वर्गों को अपने ब्रांड आधारित मोडलों का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। राज्य ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेजबानी 2012 में डीएसडी के पहले शहर में भागीदारी की और कई तुलनात्मक नववर्तनों को यहां प्रदर्शित किया। इस नववर्तनों में मुख्य रूप से बहुमूल्य वस्तु प्रवासी कंपनियां तथा, बाहरी होने के लिए माइलेज बढ़ाने का उपाय, विभिन्न सिस्टमों के लिए कम लागत का रिसाइक्लिंग, एनिमेशन वाली टियारा इंस्ट्रूमेंट शामिल थे।

अहमदाबाद में 29-31 दिसंबर 2012 के दौरान भारतीय प्रतिभा संस्थान के परिसर में विभिन्न हिन्दी नेटवर्क सहयोगियों की मदद से सुप्रीम को सथानान्तर धारण अर्जित सालिक 2012 का आयोजन किया गया। आयोजन स्थल पर राज्य की यह तुलनात्मक प्राथमिकताओं को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही कुछ नववर्तन आर्किटेक्चर का प्रदर्शन किया।

राजपूतना में 2012 में प्राथमिकताओं की प्रदर्शनी
ग्याकू दिसंबर 2012 में भारत की तत्कालीन राजपूत श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पादुके ने वर्ष सिंचाई फसलों के सम्बंध में पानी की कमी बाले खेतों के लिए सच्चे सिंचाई प्रणालियों के विकास करना का सूचना दिया।

राजस्थान के विभिन्न जिलों में वायुसंचालित साइकिलों का प्रदर्शन करने के लिए एक ट्रेल लगाया।
सिवाई प्रणालियों को विकसित करने की इस चुनौती को कुछ तुम्हारे नववर्तकों के समक्ष रखा।

धर्मवीर कंबोज (हरियाणा) और राजेश्वर शर्मा (मध्य प्रदेश) ने इस संदर्भ में समाधान सुझाए। इन समाधानों को 15 जून, 2012 को राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति को दिखाया गया। धर्मवीर ने ऐसा उपाय विकसित किया जिसमें माननीय राष्ट्रपति के पास अभी तक के पाँच दिनों के लिए बैठे में जोड़ा जा सकता है।

राजेश्वर शर्मा ने 300 लोट की पांच की तंकी के साथ एक इल्लामोदिर (सेल्फ प्रोपेल्ड) सिवाई प्रणाली बनाई, जिसे खेत में घुमाया जा सकता है, और फसल पर पानी का छिड़काव किया जा सकता है।

राजेश्वर शर्मा ने 300 लोट की पांच की तंकी के साथ एक इल्लामोदिर (सेल्फ प्रोपेल्ड) सिवाई प्रणाली बनाई, जिसे खेत में घुमाया जा सकता है, और फसल पर पानी का छिड़काव किया जा सकता है।

उपरोक्त तीनों फूलों किया था। यह विभाग आयुक्त की अपनी कार्यालय के भवन के पास पर प्रशिक्षण प्राप्त किया गया था। इन नववर्तकों को देने के लिए 7 जून, 2012 को राष्ट्रपति भवन में आयुक्त किया गया।

अतिरिक्त सिवाई पारील में बनाने और तुम्हारे नववर्तकों के लिए नववर्तकों की सहायता की और आयुक्त किया गया कि वह इस मूलम को आगे ले जाने के लिए यथायोग्य कदम उठाएंगे।

**तुम्हारे नववर्तकः**

तुम्हारे नववर्तकः बनाने के पंजीकरण एवं स्वीकृति की आवश्यक आयोग के माध्यम से पूरी की जा चुकी है जैसे ही पंजीकरण संयंत्र आयोग की होती है तो तुम्हारे नववर्तकः बनाने के पंजीकरण /प्रसार उद्योग के साथ मूलम कार्य कर देना।

**मीडिया एवं प्रकाशन**

इंडिया इनोवेट्स नामक नववर्तकः सार संस्करण का अभाव के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित मार्च 2013 के सातवें राष्ट्रीय तुम्हारे नववर्तकः पुस्तकार कार्यक्रम में किया गया।

राजस्थान नववर्तकः एवं विभाग पारंपरिक ज्ञान की सहायता राष्ट्रीय दिवालिक प्रतियोगिता के पुस्तकार विजेताओं पर आयोजित सातवें राष्ट्रीय पुस्तकार पुरस्कार बनाने भी इस अवसर के लिए तैयार की गई थी।

हेडराव वि. 11-19, 2012 के दौरान जैव विश्वास प्रेम कंशन पर फसल के माध्यम से ग्रामीण को कार्यालय के मौके पर पुरस्कृत पौधे किसमों पर आयोजित एक विशेष पुरस्कार राष्ट्रात तैयार की गई और इसके बाद भारतीय वित्तीय प्रशिक्षण बोर्ड ने इसे आमंत्रण किया।

भारतीय वित्तीय प्रशिक्षण बोर्ड ने इस स्थल के लिए प्रशिक्षण की विवरण वांछित किया।

तुम्हारे नववर्तकः पर रेडियो श्रृंखला

विज्ञान एवं आयुक्त इंडिया रेडियो की साहित्यिक में रेडियो कहानियों की शुरुआत 24 जनवरी, 2012 को हुई। इसमें प्रत्येक एपिझोड में दो नववर्तकः के बारे में कहानियां की गईं जिसमें तेह्र कहानियों के एक श्रृंखला की शुरुआत 24 जनवरी, 2012 को हुई।

*जी कूट तेलीविजन चैनल पर टीनोवेशन जी कूट चैनल पर प्रसारित किया गया बो टीनोवेशन में राष्ट्र ज्ञान सहयोगी भाषा। इस 26 कहानियों वाली तेलीविजन श्रृंखला में राष्ट्र की इंमाइट प्रतियोगिताओं के जितेंद्रियों और माननीयों की विख्यात श्रोता गया था। टीनोवेशन में 12वें इंडियन टेली अवार्ड्स 2013 में तेलीविजन श्रृंखला में नामित राष्ट्र की इंमाइट प्रतियोगिताओं के जितेंद्रियों और माननीयों की विख्यात श्रोता गया था।

राष्ट्रीय नववर्तकः प्रतियोगिता - भारत
कार्यशाला, सेमीनार और कार्यशालाएं

लीगा, पेस भारतीय नवमानत्तों को आगे बढ़ाने पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमीनार
लीगा, पेस भारतीय नवमानत्तों को आगे बढ़ाने पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमीनार

अंतरराष्ट्रीय संघ की प्रातीजोकिकों के सह-विकास एवं स्थानांतरण हेतु मंच के बैठक में राजन के मुख्य नवमानत्त अधिकारी दो विभिन्न कुमार ने बाझरा. इस बैठक का आयोजन प्रातीजोकिक हस्तांतरण एवं सह-विकास के वार्ताएँ मंच तस्वीर के साथ योजना नहीं हटाई गया था। अंतरराष्ट्रीय संघ के हेतु रियो चार्ल्स कार्य योजना के दृष्टिगत यह तथा किया गया कि विकासीय के दृष्टिकोण में चित्र विभिन्न संस्थाओं के लाभ हेतु खाद्य एवं कृषि के पादर्श आनुरागीय संस्थाओं के प्रारंभिक हस्तांतरण को सुनिश्चित करने, बदला देने एवं सम्पादन करने के लिए एक एकत्रित वैक्षेप हस्तांतरण का राजनीति, तथा आयोजन अर्थव्यवस्था के लिए बनाए रखने के लिए अधिक आयोजन एवं अनुबंध को हटाने में नवमानत्तों का उपयोग हो। जबारा एवं दिल्ली दिल्ली के अरोहा सावर्तिक नीतियों की मूलमत पर भी चर्चा हुई। तुममूल्ल नवमानत्तों के सात ही सात व्यावहारिक विषयों के आदान प्रदान द्वारा सामान्य सत्ता का हो करने में प्रातीजोकिक हस्तांतरण को निर्धारण करने के लिए व्यवस्थित विषयों सुनिश्चित करने में मदद मिली। इसके अतिरिक्त लाभ की योजना इस तरह बनाई गई है कि इसमें उठे खाद्य सुरक्षा, सामान्य एवं आर्थिक विकास, कृषि प्रभावित से सुरक्षा शामिल है। इसके आर्थिक राजनीतिक संस्थाओं के लिए आयोजन एवं अनुबंध के लिए जलवायु परिवर्तन के प्रति बेहतर क्षमता सुनिश्चित हो सके।

तुममूल्ल स्तर की झुकावाली एवं नवमानत्तों पर

दुसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला (आईसीआईईआई)

गज़र, १९९३ में सुचित के सहयोग से आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित हुई। पहली आईसीआईईआई की संस्थानों के अनुपालन के अगले चरण के रूप में तुममूल्ल स्तर की झुकावाली का विवरण का एवं नवमानत्तों पर दुसरी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाळा सम्बन्ध हुई। पहली कार्यशाळा का प्रवास १९९६ में जान की स्थापना एवं आगे चलकर २००२ में राजन की स्थापना के रूप में नामान्तरण करणे के बिषय में हुई (२१ मई - २ जून, २००८, टिपानियन विभिन्न एवं अर्थशास्त्र विभिन्न विभाग, टिपानियन, बी.एम.ए.) जिसमें बी.एम.ए. भारत के बी.एम.ए. एवं नवमानत्तों के आयोजन, उपनगर एवं आयोजन को परिचय दे दिए गए। इस में विभिन्न विषयों के लिए तुममूल्ल नवमानत्तों का प्राधान्य योग्य भी जारी हुई।

दुसरी आईसीआईईआई कार्यशाला का आयोजन चीन और भारत में हुआ तथा जेन चीन में एवं चीन एवं भारत में अर्थव्यवस्थाओं के आयोजन का आयोजन किया गया। इसलिए आईसीआईईआई का शहर चीन एवं भारत में पहुँचा। तथा अर्थव्यवस्थाओं के आयोजन के लिए समस्त अनुबंध का आयोजन किया गया। आईसीआईईआई का फलान्त है विषय ३-५ दिसंबर, २०१२ के दौरान विभिन्न विभिन्न एवं अर्थशास्त्र विभिन्न विभाग (टीपीयूएफई), टिपानियन, चीन में आयोजित किया गया और दूसरा है विषय ८-२ दिसंबर, २०१२ के दौरान आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित किया गया। कार्यशाला के दौरान इस क्षेत्र में औजस्वी स्थिति का जायजा लेने तथा हस्ती नेत्रों के माध्यम से इस विषय के विषय २५ वां के
शोध एवं कार्यों से प्राप्त सबकों का निचोड़ निकालने का प्रस्ताव सामने आया।

कार्यक्रम के पहले हिस्से में चीन में विभिन्न देशों के 65 प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की। इनमें भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, जिब्राल्टर, जापान, मैक्सिको और जर्मनी के प्रतिनिधियों शामिल थे।

प्रतिभागियों में भारत के तुरंत नवप्रवर्तकों (ननसुबहाई पेटेल, गुजरात कमान से) ने हिस्सा लिया। चीन के अकादमिक जाति, उद्योग एवं नीति निर्माण से जुड़े व्यक्तियों के अलावा नेटवर्क के प्रकाशनों में पूर्व में प्रकाशित कुछ चीनी नवप्रवर्तक जैसे कि चें गुआंग, लवशोंग, छिंग नेन्दू और ली रोहिलाउंगो भी इस मौके पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर टीव्यूएफ विद्यालयों के कई दिवसस्प्रिट जे में प्रत्यक्ष किया। इसमें से कुछ न केवल नयान लिये रहे, बल्कि उनमें से ऐसी परिषदःवा और व्यवहारिक ज्ञान रही थी, जैसे कुशाल विद्यार्थियों के कामों में नजर आती है। फाइल चर्चाओं में अन्तर्दृष्टी दृष्टिकोण भी सामने आया। चीनी बढ़िया के समापन अवसर पर प्रोफेसर विंग डाग, टीव्यूएफ और चीन में उल्लोक टीम द्वारा सम्बन्धित चीनी नवप्रवर्तक, हैनी नेटवर्क की चीनी शाखा के प्रशंसकों की सराहना की गई।

नवप्रवर्तकों ने वहां पर नेटवर्क को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

3. नई पहले

राष्ट्रपति पहले 2012-2017 : नवप्रवर्त, शिक्षा एवं समाज

राष्ट्रपति के अध्यक्ष के योग्यता और उनकी राष्ट्रपति पद के बारे में अनेकों ने सुझाव दिया। बौद्ध व्यक्ति और तन्त्रिक नवप्रवर्तक ने अपनी तस्करी में स्वीकार की।

राष्ट्रपति के हर हिस्से में अहमदाबाद में लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों, नवप्रवर्तकों, नवप्रवर्तकों ने इस्तेमाल किया जा सकता है।
स्थापित करने तथा एक प्रेरित शिक्षक नेटवर्क आरंभ करने की घोषणा के रूप में इसका सुयुक्त परियोजना सामने आया। इसके पीछे विचार यह है कि औपचारिक प्राणियों को स्थानीय नवविकारों, कलाकारों एवं कार्यकारियों के साथ जोड़ा जाए और उनके लिए अन्य अवसरों का स्रोत दिया जाए। नवविकार क्षेत्र नवविकारों को खोजने और फैलाने, अनुसूची तत्वों का पता लगाने या इनके मानक तय करने तथा आराम के विशिष्ट सृजनात्मक लोगों की उपलब्धियों को समाजित करने। यह विश्वास है कि प्राचीन सार्वजनिक भवन की एक दीवार स्थानीय लोग कलाकारों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए जिस पर वे अपनी कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करें।

इसके दशा में एक समाचारी नवविकारनाशेल योजना निर्मित होने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति महोदय ने तय किया है कि वे विभिन्न केंद्रीय विभागों में अपने रचन के दौरान कार्यरत करेंगे कि : क) तुरंत नवविकारों को मुलाकात हो और एक प्रारंभिक उद्धार हो, ख) राष्ट्रपति क्षेत्र के स्थानीय अंगार का उद्धार हो।

शास्त्रीय विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय नवविकार क्षेत्र द्वारा सुझाइयाँ दी एवं एमएसआरडी द्वारा किताबदी की जाने वाली राष्ट्रीय नवविकार क्षेत्र योजना लगभग अतिम रूप में आए हैं। इस संबंध में आवश्यक उपायों पर विचार कर इसे 2013 में ही शुरू कर देने की योजना है। राष्ट्र विभिन्न क्षेत्रों के आईआईटी के साथ मिलकर इस योजना को अमल में लाने के लिए नोडल एजेंसी की मुखिया नियुक्त है।

4. सांस्कृतिक नीतियाँ

राजभाषा नीति : सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के लिए राज्य ने कुछ पहलें ली हैं। राज्य के सभी पोषक और प्रसार सामग्री को हिंदी और अंग्रेजी दोनों में ही उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रकाशिणों को हिंदी के साथ ही साथ स्वीकार की भाषाओं में भी तैयार किया जाए। सूचि इन्स्टेंसियों के हिंदी प्रकाशन सुझाव आसमान की नामक पत्रिका के प्रवास-समारोह में भी राज्य मदद करता है।

माननीय राष्ट्रपति महोदय के साथ मुलाकात।
5. प्रशासनिक मामले

विदेशी/ज्ञान नवप्रवर्तन अधिकारी की नियुक्ति

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किए गए एक साक्षात्कार में डॉ. विनय कुमार को राष्ट्र के निदेशक/ज्ञान नवप्रवर्तन अधिकारी के रूप में चयनित किया गया। डॉ. कुमार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और इस पर 22 नवंबर, 2012 को कार्यभार प्राप्त कर लिया।

वेजानिकां की नियुक्ति

डॉ. आर.ए. माहेस्वर की अयोग्यता में एक साक्षात्कार समिति ने 7 जुलाई, 2012 को तेजस अमृत्यु का साक्षात्कार लिया और निम्नलिखित अमृत्यु के चयन हेतु अयोग्यता सूत्ति है।

1. विदेशी नवप्रवर्तन अधिकारी/ वेजानिक डी पद के लिए डॉ. रवि कुमार आरके
2. नवप्रवर्तन अधिकारी/ वेजानिक सी पद के लिए इंग्लिश कुमार माहेस्वरी
3. नवप्रवर्तन अधिकारी/ वेजानिक सी पद के लिए सुभि मानुषमी आर

पहले दो अमृत्यु के प्रस्ताव सीकेर कर राष्ट्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। सुभि मानुषमी आर ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया और इस तरह यह निर्णय हो गया।

फेयलर और रिसर्च एसोसिएट पदों पर नियुक्ति

राष्ट्र में विभिन्न विभागों में फेयलर, रिसर्च एसोसिएट तथा मैनेजर के पदों पर चयन हेतु प्रो. अनिल कुमार गुप्ता की अयोग्यता में 28-29 जनवरी, 2013 के दौरान साक्षात्कार आयोजित किए गए। कुल 31 अमृत्यु का साक्षात्कार हुआ और इनमें से 98 अयोग्यता चयनित हुए।

राष्ट्र का परिणाम सारांश

राष्ट्र को प्रदर्शन प्रवर्तन प्रभाग, भारतीय सरकार द्वारा एक फरवरी, 2013 को परिणाम सारांश दस्तावेज (आरएफडी) पर चर्चा हेतु अयोग्यता कार्यालय (एटीएफ) के साथ बैठक हेतु आयोजित किया गया था। प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने राष्ट्र की प्रमाण और गतिविधियों पर एक प्रस्तुति को एटीएफ सदस्यों के सामने रखा।

एटीएफ ने प्रो. गुप्ता की प्रस्तुति के लिए उन्हें सराहा और राष्ट्र द्वारा किए गए परियोजनाकार कार्यों हेतु सराहना की। एटीएफ ने यह सी उद्धार दिया कि जीएसडी राष्ट्र की गतिविधियों के बारे में अन्य विभागों/ मंत्रालयों के बीच जागरूकता बढ़ाए और राष्ट्र के साथ और अधिक मजबूत संबंध निर्माण को सुनिश्चित करे।

राष्ट्र ने वर्ष 2012-13 के लिए आरएफडी का और वर्ष 2013-14 के लिए आरएफडी का वैश्विक प्रतिभादन विभाग एवं प्रौद्योगिकी विभाग को जमा किया।

6. समाहार

यह वर्ष गतिविधियों से परिपूर्ण रहा, जिसमें प्रतिभादन के सभी विभाग सभी साधनों का उपयोग करते हुए पुराने प्रशासनों को सजीव करने और नए सुविधाएं हेतु नए पहले लेने तथा परिणामों एवं प्रभावों को बढ़ाने तथा परिणामों
रस्तेदर कार्यकर्ताओं को आमंत्रण

प्रतिवेदन के तहत अभिव्यक्त हुई गतिविधियों से यह स्पष्ट है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक अभिमितांग अंग हो जाने के बावजूद राष्ट्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी क्षेत्रों एवं कार्यों में रस्तेदर कार्यकर्ताओं को शामिल करना ज़रूरी रहे है। राष्ट्र हेमेशा ही ऐसे रस्तेदर कार्यकर्ताओं की तलाश में रहता है जो तुषारपूर्व नवनिर्माण एवं विशेष वार्षिक ज्ञान के इंटरिंग का मूल्य पूर्वाहिक के तीक्ष्ण भारतीय श्रेणी के साथ संयुक्त रहे जिन्‌को कहते हैं विश्वविद्यालय, छात्रावास, स्वयं भूमिका, प्रामाण्यकरण, व्यवसाय विकास, प्रसार, मीडिया रणनीति बनाने, उत्पादों को विज्ञापन करने, पेटेंट या ट्रेडमार्क फाइल करने, कहानियाँ/आलेख सिखाने, फिल्म बनाने में अपना योगदान देकर रस्तेदर कार्यकर्ताओं भारत को नवनिर्माणीय बनाने के साथ प्रसार मुहिम में शामिल हो सकते हैं या आप केवल यह भी कर सकते हैं कि प्रत्येक ग्रामीण एवं जागरूक होने वालों को सारे विषय और तथ्यों के दौरान हरी रेडियो के रस्तेदर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पदयात्रा करें।
लेखापरीक्षक का प्रतिवेदन एवं तुलना-पत्र
2012-2013
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रशिक्षण-भारत,
बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1950 के तहत पंजीकृत एक न्यास, पंजीकरण सं.- का नाम : एक/७९५६/अहमदाबाद
सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1986 के तहत पंजीकृत एक संस्था, पंजीकरण सं.- जी३६१/७९५६/अहमदाबाद

वित्तीय विवरण पर प्रतिवेदन

हमने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रशिक्षण-भारत ("न्यास" या "संस्था") के संबंधित वित्तीय विवरण का लेखा परीक्षण किया है जिसमें 31 मार्च, 2013 का पुनर्विवेच, इस तिथि के समाप्त होने वाले वर्ष के आय एवं व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के सारांश एवं अन्य व्याख्यातन टिप्पणियाँ शामिल हैं।

वित्तीय विवरण हेतु प्रबंधन का दायित्व

प्रबंधन का दायित्व है कि वह इन वित्तीय विवरणों को बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1950, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1986 और वित्त नियमों द्वारा जारी की व्याख्यातन निकायों के लिए वित्तीय विवरण हेतु प्रसुतीकरण के वास्तव तेजप्र दुर्गा दिवारायनों के अनुरूप हो। इस दायित्व में उन वित्तीय विवरणों का टॉकर करने व प्रस्तुत करने, संबंधित आधिकारिक नियमों की ऋणका, कार्यान्वयन एवं रक्षकदाय सामाजिक हैं, जो सामाजिक वियाकरण से मुक्त हो, चाहे कपटपूर्वक हो या जुटियाँ।

लेख परीक्षण का दायित्व

हमारा दायित्व हमारे लेख परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने अपना लेख किसी लेख परीक्षण में वित्तीय विवरण में हुए प्रकटकीकरण और राशियों के प्रारंभ में लेखा प्रमाण प्राप्त करने संबंधी प्रक्रियाओं को अमन ना लाना समयोगी होता है। लेखपरीक्षाओं के विवेक पर निर्भर करता है कि कितने प्रक्रियाओं का चयन किया जाए, जिसमें सामाजिक वियाकरण, चाहे कपटपूर्वक हो या जुटियाँ, के जोड़का मूल्यांकन भी विभाजित होता है। इन जोड़का मूल्यांकनों में लेखपरीक्षण कार्यक्रम की तैयारी व वित्तीय विवरणों की उपस्थिति से संबंधित आत्मनिर्भर नियमों पर विवरण करते हैं ताकि ऐसी लेख प्रक्रियाएँ बनाई जा सके जो उन परिस्थितियों के अनुरूप हो। किसी लेख परीक्षण में उपस्थित हो रहे निरुपकाओं का उपयोग करने द्वारा कुल अनुप्रयोग और प्रबंधन पर इन लेख प्रमाण के अभियंता के साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समस्त प्रसुतीकरण का मूल्यांकन भी विभाजित होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेख प्रमाण हमारे लेख परीक्षण राय को एक युक्तिसंगत व पर्याप्त आधार प्रदान करते हैं।

हमारी राय

हमारी राय में, हमारी सामान्य जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्वीकारणों के आधार पर वित्तीय विवरण, अधिनियम के अनुसार आवश्यक सूची यथायोग्य रूप में प्रदान करते हैं और भारत में सामान्यतया सूचीकृत लेखा परीक्षण सिद्धांतों के अनुरूप निर्माणशील के आदेश में एक सही व निष्क्रिय तदनुसार प्रस्तुत करते हैं:

(क) 31 मार्च, 2013 को न्यास के क्रियासंचालक की स्थिति के प्रारंभ में, तुलन-पत्र के बारे में;
(ख) 31 मार्च 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के विवरण के बारे में, व्यय के उपर आय की अधिकला के बारे में।

अन्य कार्यान्वयन और क्रियाकलापों पर प्रतिवेदन

बंबई सार्वजनिक न्यास, 1950 के खंड 33(२) के अधीन जैसे अवधिक है, हम आपेक्षित करते हैं कि –
(क) खातों का प्रशिक्षण नियमों से और अधिनियम एवं नियमों के प्रवाहों के अनुसार किया जाता है।
(ख) प्रशिक्षण एवं अन्य दमों जैसे सही ढंग से हों तथा सर्वाधिक प्रशिक्षित की जाती है।
(ग) अवधिक न्यासों की अभियंता में रहे गए नकद शेष और वातावर, लेखपरीक्षण की तिथियों को, खातों के अनुरूप है।
(घ) हमारा द्वारा अपेक्षित बहसियाँ, विश्वास, खाते, वातावर और अन्य दस्तावेज एवं आंशिक हमारे सम्भावनाक प्रस्तुत किए गए।
(ह) न्यास की वाल संपत्तियों की एक पंजी, जो न्यासी द्वारा प्रमाणित है, को उद्धेद ढंग से रखा जा रहा है।
(च) पूर्व लेखापरिशा प्रतिवेदन में ऐसी कोई बुद्दि या अनुभुति नहीं है जिसे इसमें शामिल किया जाना है।
(ढ) प्रबंधक/न्यायाधीश हमारे समस्त उपस्थित हुए और हमारी अफसोस सार आशुक कृपया जानना दी।
(ज) न्यायाधीश की कोई संपत्ति न्याय के उद्देश्य या लक्ष्य से अलग किसी अन्य उद्देश्य या लक्ष्य के लिए प्रयोग नहीं की गई।
(ह) एक वर्ष से अधिक से प्रकाश राशि रू. ५२,०९,८२३/-
(डॉ) जिन्होंने (बाराबंधिया त्रिवेणी विभाग कर्म) द्वारा विभागीय एमबीएफ (सूचना उद्योग नवाब्दिन निधि) के तहत वित्तीय सहायता के खाते में भी और वर्ष के दौरान बढ़ेखाते में भी कुछ नहीं था।
(म) महत्त्व या निर्माण में रू. ५,००० से अधिक के व्यय की स्थिति में निवसार आम्दान की गई।
(न) हमें अभिनवियम के खंड ३६ के प्रतिकृत अवलंब संपत्तियों के अनुष्ठान का कोई मामला नहीं दिखाई पड़ा है।

सोसायटी पंजीकरण अभिनवियम, १०८० के खंड २०१२(२) के अनुसार हम आगे यह प्रतिवेदित करते हैं कि हमें शासी निकाय की ओर से कोई मामला नहीं दिखाई पड़ा है या अन्य किसी व्यक्ति को तरफ से किसी बाकी की अनियमितता, गैरकालिक या अनुमति व्यय, या सोसायटी से संबंधित धन या अन्य संपत्ति की रिकवरी में असफलता या इसमें धुरा या धर या अन्य संपत्ति की बांटी या इसको ख्याति पहुँचाने का कोई मामला देखने को नहीं मिला है।

वास्ते मुकेश एन. शाह एंड कं.,
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी. सं.: १०६६२५,रबर्टा

चंद्रेश एन. शाह
साधारण सदस्यता सं.: ०५२१३२

स्थान: आहमदाबाद
तिथि : १८.०७.२०१३
<table>
<thead>
<tr>
<th>अंक/संडी</th>
<th>रणनीति 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>रणनीति 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>आधार/पूर्वाळिक निषिद्ध एवं देयताएँ</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>आधार/पूर्वाळिक निषिद्धियाँ</td>
<td>1</td>
<td>26,329,127</td>
</tr>
<tr>
<td>उद्देश्य निषिद्धियाँ</td>
<td>2</td>
<td>87,258,444</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्तमान देयताएँ एवं प्राप्तियाँ</td>
<td>3</td>
<td>13,649,205</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>127,236,776</td>
</tr>
<tr>
<td>परीक्षण-परीक्षणियों</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>अस्तित्व परीक्षणियों</td>
<td>4</td>
<td>27,476,849</td>
</tr>
<tr>
<td>शाखा - मुख्यालय</td>
<td></td>
<td>16,390,133</td>
</tr>
<tr>
<td>विभाग मुख्यालय</td>
<td></td>
<td>11,126,716</td>
</tr>
<tr>
<td>विवेचन</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>वर्तमान परीक्षण-परीक्षणियाँ, आर्थिक एवं अन्य परीक्षण-परीक्षणियाँ</td>
<td>5</td>
<td>116,110,060</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>127,236,776</td>
</tr>
<tr>
<td>महानगरी लेखात्मक तत्त्वों एवं लेखा पर रिपोर्टिंग</td>
<td>11</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

सरकार निषिद्ध की स्थापना रिपोर्ट के अनुसार
वाणी कुलक्रम एवं शाखा रेपर्टरी।
चांद एक्सचेंजसा
पृष्ठ पेपर सं. 196525 है।

साझीदार
पृष्ठ पेपर सं. 42132
स्थापना सं. 18.07.2013

यह सरकार के अद्वितीय अधिनियम द्वारा बनाया जा सकता है।

यह सरकार के अद्वितीय अधिनियम द्वारा बनाया जा सकता है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>Sl. No.</th>
<th>Description</th>
<th>31 March, 2013 (in ₹)</th>
<th>31 March, 2012 (in ₹)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>Revenue</td>
<td>101,200,000</td>
<td>90,000,000</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(2,920,678)</td>
<td></td>
<td>(6,642,889)</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>Gross Profit</td>
<td>98,269,322</td>
<td>83,357,111</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td></td>
<td>29,362</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td></td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td></td>
<td>99,269,322</td>
<td>83,386,473</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>Indirect Tax</td>
<td>13,015,693</td>
<td>11,525,826</td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td></td>
<td>75,375,850</td>
<td>63,992,086</td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td></td>
<td>6,599,998</td>
<td>7,847,392</td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td></td>
<td>3,197,883</td>
<td>2,858,209</td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td></td>
<td>98,189,424</td>
<td>86,223,513</td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td></td>
<td>79,898</td>
<td>(2,837,040)</td>
</tr>
</tbody>
</table>

Note: The table contains financial data in Indian Rupees (₹). The figures are rounded to the nearest thousand. The table includes income and expenses for the financial year ending 31 March 2013 and 2012.
<table>
<thead>
<tr>
<th>अनुसूची : 1 - आपारामूह / पूर्णिमात्स निमित्त</th>
<th>स्पष्टे 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्पष्टे 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1 आपारामूह निमित्त</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>पिछले तुलनाप्रकाश के अनुसार शेष</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>जोधि: वर्ष के दौरान</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>2 पूर्णिमात्स निमित्त</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>पिछले तुलनाप्रकाश के अनुसार शेष</td>
<td></td>
<td>433,294</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>433,294</td>
<td>433,294</td>
</tr>
<tr>
<td>3 स्थायी परिसंपत्तियाँ के लिए औपचारिक, भारत सरकार का अनुदान</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>पिछले तुलनाप्रकाश के अनुसार शेष</td>
<td>12,114,676</td>
<td>5,471,787</td>
</tr>
<tr>
<td>जोधि: (१०-आयुर्विक्त सदस्यों के खर्चों में प्राप्त तबाही)</td>
<td>2,930,678</td>
<td>6,642,889</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>15,045,354</td>
<td>12,114,676</td>
</tr>
<tr>
<td>4 आय एवं द यवबाध का शेष</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>पिछले तुलनाप्रकाश के अनुसार शेष</td>
<td>10,770,581</td>
<td>13,607,621</td>
</tr>
<tr>
<td>जोधि: (राष्ट्र) : आय एवं द यवबाध के अनुसार शेष</td>
<td>79,898</td>
<td>(2,837,040)</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>10,850,479</td>
<td>10,770,581</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>26,329,127</td>
<td>23,318,551</td>
</tr>
<tr>
<td>नामकरण: 2 - अवधि प्रतिचित्र</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष 2013 के तुलना का अंतर बनने की अनुमानी</td>
<td>31 मार्च, 2013 को</td>
<td>31 मार्च, 2012 को</td>
</tr>
<tr>
<td>1. <strong>प्रथम अवधि</strong></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>का मानदंड हैं</td>
<td>(105,697)</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>जा सारण अनुमान</td>
<td>-</td>
<td>940,500</td>
</tr>
<tr>
<td>जा अनुमान - नियोजन का उपभोक्ता</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>i. आबादित व्यवसाय</td>
<td>अपने परिवर्तित पदार्थों</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>ii. उत्पादन व्यवसाय</td>
<td>अंकार, बंदरगाह, शहर या क्षेत्रीय व्यवसाय</td>
<td>36,374</td>
</tr>
<tr>
<td>प्राप्त-संयुक्त पदार्थ</td>
<td>-</td>
<td>95,000</td>
</tr>
<tr>
<td>उपभोक्ता व्यवसाय</td>
<td>-</td>
<td>122,000</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष व्यवसाय</td>
<td>गुल व्यवसाय</td>
<td>61,685</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल व्यवसाय</td>
<td>36,374</td>
<td>1,046,197</td>
</tr>
<tr>
<td>2. <strong>कॉप्युटर एवं संपर्क वियोजन</strong></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>का मानदंड हैं</td>
<td>(596,298)</td>
<td>6,568,163</td>
</tr>
<tr>
<td>जा सारण अनुमान</td>
<td>-</td>
<td>589,000</td>
</tr>
<tr>
<td>जा अनुमान - नियोजन का उपभोक्ता</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>i. आबादित व्यवसाय</td>
<td>अपने परिवर्तित पदार्थों</td>
<td>(521,351)</td>
</tr>
<tr>
<td>ii. उत्पादन व्यवसाय</td>
<td>अंकार, बंदरगाह, शहर या क्षेत्रीय व्यवसाय</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>सुकृति एवं उत्पादकीय व्यवसाय</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>उपभोक्ता व्यवसाय</td>
<td>उपभोक्ता व्यवसाय</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>भोग एवं मजबूती</td>
<td>भोग एवं मजबूती</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष व्यवसाय</td>
<td>गुल व्यवसाय</td>
<td>(521,351)</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल व्यवसाय</td>
<td>(76,857)</td>
<td>(598,298)</td>
</tr>
<tr>
<td>3. <strong>वित्तीय वियोजन</strong></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>का मानदंड हैं</td>
<td>201,439</td>
<td>473,284</td>
</tr>
<tr>
<td>जा सारण अनुमान</td>
<td>-</td>
<td>400,000</td>
</tr>
<tr>
<td>जा अनुमान - नियोजन का उपभोक्ता</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>i. आबादित व्यवसाय</td>
<td>अपने परिवर्तित पदार्थों</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ii. उत्पादन व्यवसाय</td>
<td>अंकार, बंदरगाह, शहर या क्षेत्रीय व्यवसाय</td>
<td>11,460</td>
</tr>
<tr>
<td>प्राप्त-संयुक्त पदार्थ</td>
<td>125,726</td>
<td>356,903</td>
</tr>
<tr>
<td>उपभोक्ता व्यवसाय</td>
<td>उपभोक्ता व्यवसाय</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष व्यवसाय</td>
<td>गुल व्यवसाय</td>
<td>41,853</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल व्यवसाय</td>
<td>200,639</td>
<td>677,885</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष व्यवसाय</td>
<td>(89,209)</td>
<td>201,439</td>
</tr>
</tbody>
</table>

अन्य व्यापारिक नोट: 2
### राष्ट्रीय मानकों के अनुसार - भारत

#### पृष्ठ 17/412/अनुदान

<table>
<thead>
<tr>
<th>विभाग</th>
<th>31 मार्च 2013 के तुलना के अंतर में बनाए गए अनुरूपी</th>
<th>31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>4. इंस्ट्रक्टर द्वारा परीक्षित - कैट</td>
<td>325,149</td>
<td>500,000</td>
</tr>
<tr>
<td>व क. प्रणाली के माध्यम से अनुसार शेयर</td>
<td>-</td>
<td>400,000</td>
</tr>
<tr>
<td>ब.  प्रणाली के माध्यम से उद्योग में तथा/संयोग</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>ग. पूर्णित व्यवस्था</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>ii. राजस्व व्यवस्था</td>
<td>उ. कोटा के एवं अन्य सहभागों</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>आकाशविज्ञान के लिए</td>
<td>-</td>
<td>16,682</td>
</tr>
<tr>
<td>देश के एवं परीक्षक</td>
<td>422,968</td>
<td>155,533</td>
</tr>
<tr>
<td>आय व्यवस्था</td>
<td>-</td>
<td>80,000</td>
</tr>
<tr>
<td>वातावरण व्यवस्था</td>
<td>11,449</td>
<td>94,395</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल व्यवस्था</td>
<td>434,417</td>
<td>574,921</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्ष के अंत में कुल शेयर (क+ब+न)</td>
<td>-</td>
<td>325,149</td>
</tr>
</tbody>
</table>

5. प्राप्त (आनुप्रेरणा) परीक्षेदार
| व क. प्रणाली के माध्यम से अनुसार शेयर | 1,027,102 | 3,501,391 |
| व क. प्रणाली के माध्यम से उद्योग में तथा/संयोग | - | - |
| ब. प्रणाली के माध्यम से शेयर में परीक्ष्याली में | - | - |
| ग. पूर्णित व्यवस्था | अन्य परीक्षिताओं | - | - |
| र. राजस्व व्यवस्था | उ. कोटा के एवं अन्य सहभागों | 297,400 | 42,972 |
| आकाशविज्ञान के लिए | 22,025 | 42,972 |
| वेतनकास | 2,237,398 | 1,522,091 |
| देश के एवं परीक्षक | 400,000 | 477,863 |
| वातावरण व्यवस्था | 247,211 | 31,363 |
| कुल व्यवस्था | 2,944,094 | 2,474,289 |
| वर्ष के अंत में कुल शेयर (क+ब+न) | - | 1,027,102 |

6. इंस्ट्रक्टर द्वारा परीक्षित - डेपार्टमेंट
| व क. प्रणाली के माध्यम से अनुसार शेयर | - | 3,400,000 |
| व क. प्रणाली के माध्यम से उद्योग में तथा/संयोग | - | - |
| ग. पूर्णित व्यवस्था | अन्य परीक्षिताओं | - | - |
| र. राजस्व व्यवस्था | उ. कोटा के एवं अन्य सहभागों | - | - |
| आकाशविज्ञान के लिए | 300,000 | 1,020,000 |
| वेतनकास | 1,400,000 | 500,000 |
| देश के एवं परीक्षक | 180,000 | - |
| कुल व्यवस्था | - | 3,400,000 |
| वर्ष के अंत में कुल शेयर (क+ब+न) | - | - |

अन्ये पृष्ठ पर जाँच
<table>
<thead>
<tr>
<th>स्थानीय नवप्रवाहन प्रतिष्ठान - भारत</th>
<th>31 मार्च 2013 के तुलनात्मक का अंश बनाने वाली अनुपाती</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</td>
</tr>
</tbody>
</table>

छठेने पृष्ठ से जाने...

7 आईआईटीपी- क्रम पत्रिका शाखा विभाग परिवर्तनता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम पत्र शाखा विभाग परिवर्तनता</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ब   पापा अनुसार</td>
<td>5,200,000</td>
<td>5,480,000</td>
</tr>
<tr>
<td>द   प्राथमिक परिवर्तनता से देखने वाला नकाशा/स्थायी</td>
<td>300,000</td>
<td>5,480,000</td>
</tr>
<tr>
<td>1. आर्चिव तथ्य</td>
<td>18,900</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>2. पत्रिका तथ्य</td>
<td>300,000</td>
<td>93,707</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य तथ्य</td>
<td>-</td>
<td>280,000</td>
</tr>
<tr>
<td>गुणल तथ्य</td>
<td>412,607</td>
<td>280,000</td>
</tr>
</tbody>
</table>

8 आईआईटीपी- स्थिति प्राथमिक परिवर्तनता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम पत्र शाखा विभाग परिवर्तनता</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ब   पापा अनुसार</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>द   प्राथमिक परिवर्तनता से देखने वाला नकाशा/स्थायी</td>
<td>4,652,545</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>1. आर्चिव तथ्य</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>2. पत्रिका तथ्य</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य तथ्य</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>गुणल तथ्य</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
</tbody>
</table>

8 राज्य उपचारी विभाग संचालन कौशलता

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम पत्र शाखा विभाग परिवर्तनता</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ब   पापा अनुसार</td>
<td>51,789</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>द   प्राथमिक परिवर्तनता से देखने वाला नकाशा/स्थायी</td>
<td>212,000</td>
<td>175,000</td>
</tr>
<tr>
<td>1. आर्चिव तथ्य</td>
<td>108,722</td>
<td>123,211</td>
</tr>
<tr>
<td>2. पत्रिका तथ्य</td>
<td>108,722</td>
<td>123,211</td>
</tr>
<tr>
<td>गुणल तथ्य</td>
<td>155,067</td>
<td>51,789</td>
</tr>
</tbody>
</table>

9 सूचक उच्च नवप्रवाहन लिपिक - क्रम पत्रिका शाखा

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम पत्र शाखा विभाग परिवर्तनता</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ब   पापा अनुसार</td>
<td>67,630,016</td>
<td>65,735,642</td>
</tr>
<tr>
<td>द   प्राथमिक परिवर्तनता से देखने वाला नकाशा/स्थायी</td>
<td>5,638,104</td>
<td>1,894,374</td>
</tr>
<tr>
<td>गुणल तथ्य</td>
<td>73,268,120</td>
<td>67,630,016</td>
</tr>
</tbody>
</table>

10 नवप्रवाहन लिपिक

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम पत्र शाखा विभाग परिवर्तनता</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्थायी 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ब   पापा अनुसार</td>
<td>2,667,477</td>
<td>14,000</td>
</tr>
<tr>
<td>द   प्राथमिक परिवर्तनता से देखने वाला नकाशा/स्थायी</td>
<td>3,782,487</td>
<td>2,653,477</td>
</tr>
<tr>
<td>गुणल तथ्य</td>
<td>6,444,714</td>
<td>2,667,477</td>
</tr>
</tbody>
</table>

कुल 87,258,444               76,399,067
<table>
<thead>
<tr>
<th>विशेष लेनदार</th>
<th>स्पष्ट 31 मार्च, 2013 को</th>
<th>स्पष्ट 31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अन्य</td>
<td>731,703</td>
<td>1,713,946</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंक दक्षिण ओस्ट्रेलिया</td>
<td>12,825,958</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>दक्षिण रूस सभी विदेशी बैंक - नीली बैंक, प्रेमचंदनगर - एसबी खाता सं. 724</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य धनयोज्यां</td>
<td>42,422</td>
<td>106,503</td>
</tr>
<tr>
<td>कामचारियों की एनपीएस कटौती</td>
<td>42,422</td>
<td>106,503</td>
</tr>
<tr>
<td>एनपीएस देय खाता</td>
<td>84,844</td>
<td>213,006</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>13,649,205</td>
<td>1,933,652</td>
</tr>
<tr>
<td>अनुसूची : 4 - अध्याय परिसरपत्र</td>
<td>सामग्री अनुसूची</td>
<td>मूलधारा</td>
</tr>
<tr>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
</tr>
<tr>
<td>कंप्यूटर एंवं सहाय्य परिसरपत्र</td>
<td>कॉन्प्यूटर</td>
<td>8,035,839</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>नेबलिक आउपर्करण</td>
<td>547,703</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>स्मारक</td>
<td>372,840</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>सॉफ्टवेयर</td>
<td>2,263,067</td>
</tr>
<tr>
<td>उपकरण एंवं मुद्रण (मेज कुशी एवं नवायता)</td>
<td>उपकरण एंवं मुद्रण (मेज कुशी एवं नवायता)</td>
<td>1,525,918</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>विवृत प्रतियोगता</td>
<td>69,610</td>
</tr>
<tr>
<td>कार्यालय उपकरण</td>
<td>पैरसुर</td>
<td>220,130</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>रेडियो</td>
<td>35,438</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>नेवीस</td>
<td>1,431,381</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पर्सेप्टियंस सिस्टम</td>
<td>127,788</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>उपकरण</td>
<td>1,392,585</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>वैदिक उपकरण</td>
<td>1,614,676</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पैकेज शेयर</td>
<td>36,907</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>अन्य सामग्री</td>
<td>13,405</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>वॉटरचोपियंस शेयर</td>
<td>505,202</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पिज्जा एवं एससिस्टेंस</td>
<td>60,111</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>रेडियोटेलेटर</td>
<td>39,010</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>सोशल मीडिया</td>
<td>91,000</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>टा रिलेयर</td>
<td>41,727</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>टेलिकोम मूलधारा उपकरण</td>
<td>444,358</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल मे</td>
<td>24,562,371</td>
<td>2,930,678</td>
</tr>
</tbody>
</table>
### आदर्श 5: - पत्रेशिय परिसंपत्तियाँ, भौग, अभिमृत और अन्य परिसंपत्तियाँ:

<table>
<thead>
<tr>
<th>नकदी एवं बैंक शेष</th>
<th>रुपये</th>
<th>रुपये</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>रोकांड शेष</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंकों में शेष</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>कोटेक भवन, जयपुर - एसकी खाता सं. 762</td>
<td>1,890,925</td>
<td>11,679,301</td>
</tr>
<tr>
<td>खेतीय बैंक ओप्शन इलिआ देवलपमेंट एसकी खाता सं. 724</td>
<td>-</td>
<td>7,965,534</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंकों में शेष</td>
<td>1,890,925</td>
<td>19,644,835</td>
</tr>
<tr>
<td>वालु, खातों में</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>एफिसस बैंक, वस्तू - खाता सं. 1548</td>
<td>883,660</td>
<td>1,615,098</td>
</tr>
<tr>
<td>एफिसस बैंक, वस्तू - खाता सं. 8099 एम्ब्रॉयडर</td>
<td>3,616,361</td>
<td>4,099,402</td>
</tr>
<tr>
<td>एससीआई, आईआईएस - खाता सं. 30379920229</td>
<td>289,821</td>
<td>290,371</td>
</tr>
<tr>
<td>सामान जगा खातों में</td>
<td>4,789,842</td>
<td>5,914,871</td>
</tr>
<tr>
<td>राजस्थान निर्मलाय दल में</td>
<td>38,451,225</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>एम्ब्रॉयडर निर्मलाय दल में</td>
<td>55,798,862</td>
<td>48,455,650</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>100,930,854</td>
<td>74,015,356</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>2. भौग, अभिमृत और अन्य परिसंपत्तियाँ</th>
<th>रुपये</th>
<th>रुपये</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>उपर्युक्त के सभी अभिमृत, नकद या बन्दूक या भूत्त रूप में</td>
<td>1,046,283</td>
<td>1,152,697</td>
</tr>
<tr>
<td>एम्ब्रॉयडर दल में से लताड़कों को अभिमृत (विवृति)</td>
<td>13,197,972</td>
<td>14,405,487</td>
</tr>
<tr>
<td>आपसी का अभिमृत भुगतान</td>
<td>934,951</td>
<td>598,128</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंक से प्राप्त य</td>
<td>-</td>
<td>79,571</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>15,179,206</td>
<td>16,235,883</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| कुल | 116,110,060 | 90,251,239 |
### राष्ट्रीय न्यायप्रदैतिक प्रतिष्ठान - भारत

| पंजीक. सं. एफ/7412/आम्दाबाद |

### 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

<table>
<thead>
<tr>
<th>अनुसूची : 6 - अर्जित व्याज :</th>
<th>रूपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त तार्कित हेतु</th>
<th>रूपये 31 मार्च, 2012 को समाप्त तार्कित हेतु</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>भारत सरकार के रचना बांध पर 8% अर्जित</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंकों में सावधान जमा पर व्याज</td>
<td>3,504,611</td>
<td>1,674,626</td>
</tr>
<tr>
<td>वृद्ध बैंक खातों पर 6% याज</td>
<td>276,746</td>
<td>116,851</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य से अर्जित व्याज</td>
<td>-</td>
<td>29,362</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल अर्जित व्याज</td>
<td>3,781,357</td>
<td>1,820,839</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| घटाएँ: न्यायप्रदैतिक लिपिदेश में हस्तांतरित |
|---------|-----------------|
| कुल | (3,781,357) | (1,791,477) |

| अनुसूची : 7 - अन्य आय : |
|-----------------|-----------------|
| उद्देश्य द्वारा निर्माण के साथ प्रशासनिक उपरीत्यय वस्तुओं के वित्तीय आय | - | 860,000 |
| घटाएँ: न्यायप्रदैतिक लिपिदेश में हस्तांतरित | - | 860,000 |

| कुल | - | (860,000) |
### राजस्थान नवाबोंलै रस्ताँ - भारत
#### ऋणक. सं. एक/7412/आमतौर

31 मार्च, 2013 को सम्मान होने वाले वर्ष के लिए आर्थिक वर्ष बदलते वर्षों अनुसूची

<table>
<thead>
<tr>
<th>आनुमानी : 8 - स्थापना व्यय</th>
<th>31 मार्च, 2013 को</th>
<th>31 मार्च, 2012 को</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नूतन में से</td>
<td>2,745,001</td>
<td>649,405</td>
</tr>
<tr>
<td>पेशावर में पुक</td>
<td>1,257,738</td>
<td>1,288,360</td>
</tr>
<tr>
<td>संचारीदर हुनातन</td>
<td>2,899,081</td>
<td>2,510,453</td>
</tr>
<tr>
<td>संचारीदर भाव</td>
<td>1,937,345</td>
<td>415,605</td>
</tr>
<tr>
<td>विवेक वक्ता उपलेखन में अंशांत</td>
<td>468,251</td>
<td>106,503</td>
</tr>
<tr>
<td>वैधिक प्रदेश (राज क्षेत्र - आग-पूर्व)</td>
<td>2,738,963</td>
<td>4,731,595</td>
</tr>
<tr>
<td>वैधिक प्रदेश (राज क्षेत्र - आग-पूर्व)</td>
<td>-</td>
<td>462,903</td>
</tr>
<tr>
<td>संचारीदर वित्तवार भाव</td>
<td>349,004</td>
<td>129,881</td>
</tr>
<tr>
<td>व्यक्तिगत एवं गजनी</td>
<td>-</td>
<td>11,43,355</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्तमान व्यय</td>
<td>420,270</td>
<td>90,766</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>संक्षिप्त</strong></td>
<td><strong>13,015,693</strong></td>
<td><strong>11,525,826</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### आनुमानी : 9 - आपदा व्यय

<table>
<thead>
<tr>
<th>व्यवस्थापन विभाग</th>
<th>160,003</th>
<th>55,405</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>मानसुद्धा विभाग</td>
<td>274,525</td>
<td>14,513</td>
</tr>
<tr>
<td>केंद्र उपलेखन एवं आयकर विभाग</td>
<td>945,774</td>
<td>14,36,726</td>
</tr>
<tr>
<td>दक्षिण ओरिजनल/स्वास्थ्यदर्शन बैंक</td>
<td>-</td>
<td>23,113</td>
</tr>
<tr>
<td>अंतरराष्ट्रीय वैद्यवाद</td>
<td>54,699</td>
<td>150,697</td>
</tr>
<tr>
<td>वैधिक, स्वास्थ्य एवं वैद्यवाद</td>
<td>-</td>
<td>38,675</td>
</tr>
<tr>
<td>व्यवस्थापन मंत्रीओं में विभागितीयी वित्तवार</td>
<td>520,005</td>
<td>591,374</td>
</tr>
<tr>
<td>विभाग (विभागीयिता)</td>
<td>1,236,686</td>
<td>378,731</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>संक्षिप्त</strong></td>
<td><strong>3,191,692</strong></td>
<td><strong>4,132,934</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>सृजना प्रमाण एवं सामाजिक झरां</th>
<th>3,061,948</th>
<th>717,889</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>केंद्र उपलेखन/आयकर विभाग (राज वर्ष)</td>
<td>3,013,039</td>
<td>1,759,357</td>
</tr>
<tr>
<td>वैधिक एवं आयकर विभाग</td>
<td>976,359</td>
<td>994,210</td>
</tr>
<tr>
<td>गुण एवं प्रतिष्ठान (एक्सचेंज)</td>
<td>2,622,898</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>विभाग (गुण प्रमाण)</td>
<td>666,242</td>
<td>49,679</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>संक्षिप्त</strong></td>
<td><strong>11,000,964</strong></td>
<td><strong>4,024,600</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>वैधिक संपर्क अभियंता एवं कंपनी</th>
<th>23,221</th>
<th>740</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>केंद्र उपलेखन/आयकर विभाग (वैधिक संपर्क अभियंता)</td>
<td>1,716</td>
<td>2,337,869</td>
</tr>
<tr>
<td>विभागीयिता/वैधिक अभियंता क्रेडिट (वैधिक संपर्क अभियंता)</td>
<td>-</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>विभाग (वैधिक संपर्क अभियंता)</td>
<td>107,985</td>
<td>707,718</td>
</tr>
<tr>
<td>विभाग (वैधिक संपर्क अभियंता)</td>
<td>62,618</td>
<td>7,982</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>संक्षिप्त</strong></td>
<td><strong>3,475,188</strong></td>
<td><strong>3,653,308</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>
31 मार्च, 2013 को समय होने वाले वर्ष के सिरे आप एवं नये बालों अनुसारी

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स (आईटी) एवं इंटेन्सस</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कंप्यूटर रिपोर्टस एवं अपोस्ट्रीशम</td>
<td>111,708</td>
<td>160,663</td>
</tr>
<tr>
<td>डेटेबेस एवं सोफ्टवेयर विकल्प, युवनियों</td>
<td>1,222,621</td>
<td>1,085,493</td>
</tr>
<tr>
<td>डेटेबेस</td>
<td>356,925</td>
<td>380,915</td>
</tr>
<tr>
<td>अपोस्ट्रीशम अनुप्रयोग (डेटेबेस, एसआईसी, डीवी क्र टेंड्र)</td>
<td>90,220</td>
<td>46,957</td>
</tr>
<tr>
<td>वाण (आईटी)</td>
<td>9,465</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>तेलसाइट</td>
<td>86,843</td>
<td>130,944</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>सार्वजनिक</strong></td>
<td><strong>1,877,782</strong></td>
<td><strong>1,804,972</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

5 बौद्धिक एवं दललेखीकरण

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स (अन्य नये रायन)</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>विस्तार - अन्य नये रायन</td>
<td>4,536,652</td>
<td>2,055,211</td>
</tr>
<tr>
<td>सार्वजनिक वेतन</td>
<td>3,500,583</td>
<td>2,402,350</td>
</tr>
<tr>
<td>डेटा प्रवेश/एमआईसी (बौद्धिक एवं दललेखीकरण)</td>
<td>-</td>
<td>29,027</td>
</tr>
<tr>
<td>विस्तार/परिसंपत्ति बैंक</td>
<td>60,130</td>
<td>124,026</td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य दललेखीकरण (बौद्धिक एवं दललेखीकरण)</td>
<td>1,230,050</td>
<td>672,518</td>
</tr>
<tr>
<td>सार्वजनिक/पोर्टफ़ोलियो बैंक</td>
<td>697,080</td>
<td>863,338</td>
</tr>
<tr>
<td>दललेखीकरण (बौद्धिक एवं दललेखीकरण)</td>
<td>1,895,672</td>
<td>721,418</td>
</tr>
<tr>
<td>सार्वजनिक/परिसंपत्ति दललेखीकरण</td>
<td>2,204,319</td>
<td>2,056,192</td>
</tr>
<tr>
<td>वर्तमान एवं प्रवेशन</td>
<td>2,296,349</td>
<td>1,529,972</td>
</tr>
</tbody>
</table>

6 वैभव विश्लेषण एवं उद्ध एवं फिलस (सार्वजनिक)

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>एमआईसी संस्थान वेतन - सार्वजनिक</td>
<td>-</td>
<td>17,635</td>
</tr>
<tr>
<td>डेटा प्रवेश/एमआईसी (सार्वजनिक)</td>
<td>-</td>
<td>29,026</td>
</tr>
<tr>
<td>विस्तार/परिसंपत्ति बैंक (सार्वजनिक)</td>
<td>1,616,809</td>
<td>796,330</td>
</tr>
<tr>
<td>पार्शव शहर, नसोपत्रण का प्रमाणिकरण</td>
<td>9,144,130</td>
<td>9,471,983</td>
</tr>
<tr>
<td>पोर्टफ़ोलियो/प्रवेशन प्रवेशन</td>
<td>4,123,070</td>
<td>3,859,436</td>
</tr>
<tr>
<td>डेटा (सार्वजनिक)</td>
<td>2,408,062</td>
<td>1,132,816</td>
</tr>
<tr>
<td>मुख्य परिसंपत्ति एवं उद्ध विश्लेषण</td>
<td>7,884,522</td>
<td>11,073,739</td>
</tr>
</tbody>
</table>

7 लोकतांत्रिक अविश्वसन विविधता से अंतर्गत

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>वैभव विश्लेषण तथा उद्ध</td>
<td>875,894</td>
<td>2,391,380</td>
</tr>
</tbody>
</table>

8 एवें दललेखीकरण शीर्षक

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अन्य शीर्षक</td>
<td>884,153</td>
<td>699,400</td>
</tr>
<tr>
<td>तात्कालिक (वेब पार्श)</td>
<td>495,979</td>
<td>413,100</td>
</tr>
<tr>
<td>तात्कालिक पार्श</td>
<td>108,763</td>
<td>136,594</td>
</tr>
<tr>
<td>पूर्वकालिक और अन्य शीर्षक</td>
<td>2,481,684</td>
<td>2,426,600</td>
</tr>
<tr>
<td>पूर्वकालिक</td>
<td>19,930</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>पूर्वकालिक</td>
<td>7,845,000</td>
<td>5,195,000</td>
</tr>
<tr>
<td>इंटर्नशिप पिटिंग</td>
<td>21,070</td>
<td>256,664</td>
</tr>
<tr>
<td>वित्त व वित्तेश</td>
<td>1,193,405</td>
<td>1,155,207</td>
</tr>
<tr>
<td>शाखा</td>
<td>325,468</td>
<td>265,320</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td><strong>सार्वजनिक</strong></td>
<td><strong>13,352,812</strong></td>
<td><strong>10,547,875</strong></td>
</tr>
</tbody>
</table>

9 अन्य प्रकार के अन्य शीर्षक

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिवर्षी इनपुट रेटर्स</th>
<th>स्थानीय</th>
<th>स्थानीय</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>विश्वसनीय तथा उद्ध विश्लेषण</td>
<td>4,110</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>75,375,850</td>
<td>63,992,086</td>
</tr>
<tr>
<td>अनुसूची 10: - अन्य प्रशासनिक व्यय:</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>---------------------------------------</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>अन्य योजनाओं की फीस</td>
<td>85,956</td>
<td>88,204</td>
</tr>
<tr>
<td>बैंक शुल्क</td>
<td>2,248</td>
<td>5,268</td>
</tr>
<tr>
<td>वाहन क्षेत्र</td>
<td>25,106</td>
<td>30,666</td>
</tr>
<tr>
<td>स्थिति गतिविधियों</td>
<td>260,838</td>
<td>212,833</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रबंधन परिषद, बैठक क्षेत्र</td>
<td>230,489</td>
<td>122,530</td>
</tr>
<tr>
<td>वीमा क्षेत्र</td>
<td>117,118</td>
<td>54,214</td>
</tr>
<tr>
<td>गर्मी वस्त्र धारावाहिक क्षेत्र</td>
<td>354,371</td>
<td>303,378</td>
</tr>
<tr>
<td>ड्राक क्षेत्र</td>
<td>323,697</td>
<td>402,215</td>
</tr>
<tr>
<td>मदुना एवं स्टील ब्लुक</td>
<td>652,261</td>
<td>956,846</td>
</tr>
<tr>
<td>लिपिस्वरूप धारावाहिक क्षेत्र</td>
<td>1,146,074</td>
<td>2,604,070</td>
</tr>
<tr>
<td>किसाना, रेत एवं कर</td>
<td>2,634,376</td>
<td>2,472,844</td>
</tr>
<tr>
<td>भर्ती एवं रक्षकाधिक प्रबंधन क्षेत्र</td>
<td>152,457</td>
<td>148,206</td>
</tr>
<tr>
<td>भुगतान क्षेत्र</td>
<td>269,525</td>
<td>218,514</td>
</tr>
<tr>
<td>टेलीफोन एवं संचार शुल्क</td>
<td>59,737</td>
<td>83,665</td>
</tr>
<tr>
<td>यात्रा क्षेत्र</td>
<td>123,209</td>
<td>-</td>
</tr>
<tr>
<td>वाहन चलाने एवं रक्षकाधिक शुल्क</td>
<td>157,268</td>
<td>147,895</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>6,599,998</td>
<td>7,847,392</td>
</tr>
<tr>
<td>क्र.</td>
<td>विषय</td>
<td>मात्रा रु.</td>
</tr>
<tr>
<td>-----</td>
<td>--------</td>
<td>----------</td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>सुपारी छीलन का यंग</td>
<td>7500</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>बोस की छायांक/पट्टी बनाने का यंग</td>
<td>5028</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>समान्य एजेंटी के पास पड़ी धनराशि</td>
<td>5622</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>मूगा शेलिंग मशीन</td>
<td>20000</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>जलार छीलन का यंग</td>
<td>12000</td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>पटाखे जलाने का उपाय</td>
<td>7000</td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>समान्य एजेंटी के पास पड़ी धनराशि</td>
<td>15480</td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>गृहस्थ सिंह ढीली- खाद कलाने की मशीन (संपर्क सीटर मशीन)</td>
<td>18125</td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td>ऑर्थोपीड विशेष ज्योति का उपाय</td>
<td>162407</td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td>एचप्लेनर-प्रदर्शन प्रौद्योक्त, पट्टींस इंजन के लिए - हरितावल</td>
<td>149417</td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td>संबंधित सीप दुकान</td>
<td>5047</td>
</tr>
<tr>
<td>12</td>
<td>विंदुसली क्षेत्र</td>
<td>884931</td>
</tr>
<tr>
<td>13</td>
<td>अनेक बील चोले दाली सीडियल</td>
<td>385268</td>
</tr>
<tr>
<td>14</td>
<td>स्टोक के लिए सेबंडा पार्चन</td>
<td>16000</td>
</tr>
<tr>
<td>15</td>
<td>खाई बोलने की मशीन</td>
<td>1093480</td>
</tr>
<tr>
<td>16</td>
<td>वशिष्ट क्षेत्र</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>साइकिल काॅल हरित</td>
<td>15000</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>स्वास्थ्य लाभ हेतु कुशी</td>
<td>37390</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>जिल्ली बुल - जिल्ली निम्नित उपयोग</td>
<td>1991</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>जीवन लांब - जालियि से प्रेमय</td>
<td>105500</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>प्राकृतिक वादर कुशी - अपविदा बाई पटेल</td>
<td>90000</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पररों जयपुर - अगरवत कलाने की मशीन</td>
<td>300000</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>स्टेसिल कांडिंग उपयोग - नाज़म शेख</td>
<td>171100</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>गर्ला रोटेटर</td>
<td>47486</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>समान्य एजेंटी के पास पड़ी धनराशि</td>
<td>-57181</td>
</tr>
</tbody>
</table>

शेष आगे... 3498591
<table>
<thead>
<tr>
<th>साधन वाणिज्य एमबीआईएफ परियोजनाएँ</th>
<th>रु.</th>
<th>रु.</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td><strong>साधन</strong></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>सैन्य (बहुउद्देशीय खाना बनाने का वर्तमान - अन्यदिश रजनाक)</td>
<td>42150</td>
<td>42150</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>प्राप्त की सूची विषयवस्तु कार्य परियोजनायें</strong></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>वृत्त से अन्य विभाग की छवि कैसे</td>
<td>300000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>वी. मोहनलाल - जलीय कोंडिनिया आगजन</td>
<td>1480000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>बाजारमार्गी मध्य प्रदेश यूनिक्सकम के सिंचाई</td>
<td>159000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>कशीरव बनाना एकता - बकोलिय शहरी</td>
<td>96050</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>सी.बी.रामचंद्र हैंड (HAnd) से चूण भी संयोग</td>
<td>599040</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>दाताधीश बंधुराम - डी.आर.बी. 2008 धातु की किस्म</td>
<td>300000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>टीएच. भरती - टिज्यवल बिजली</td>
<td>1065000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>निदेशक एएसआईटी - अंतर्गत ट्रूष लाइट प्रोजेक्ट</td>
<td>182032</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>डीएच. बोटर - कई तरह के पेट्रो पर पिकनिक</td>
<td>370000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>डी. के.एम.राज - लाल की आच्छादन प्रदेश</td>
<td>9000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जी.पी.से.बीएल. - पासियमिटर फोनेलिस</td>
<td>360000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नमा विशेषज्ञ कार्यालय - मो. मोहन अमर</td>
<td>24000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>इमामी नौसी नामी - बुद्धिपदोषी हस्त तंबू तेलंगाना का अग्रणी</td>
<td>13500</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>लोहे की जाली बनाने का विषय - इं. इंड. चूमर सिंह</td>
<td>90000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जय भक्ति होत - गेहुँ की किरण</td>
<td>100000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जोश्वीय गण्डक</td>
<td>565000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जलप्रपात - ऊजार किमरपाती सोर</td>
<td>300000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मुन्द्रेकर - सुहार बंधुराम</td>
<td>367534</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>मो. कुमार सुरेंद्र - धर बालक</td>
<td>804075</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नून्जिया खाना - तक्षकांड के सिंचाई कर्म</td>
<td>260000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>चेहरा हुए - सैनी - पैने मिलन धिवंच</td>
<td>200000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>राज कुमार राजेंद्र - रिपोर्ट</td>
<td>300000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>राजम शंकर शरीफ - संस्तंकांड हैंडहुट्टम</td>
<td>37000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>देसाई सेवा - एनर्गेन्ट बुल टीडी -टी</td>
<td>375000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>गोपाल का आँख नजर कैसे</td>
<td>500000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>तृप्ति की बदल हासिन का उपय</td>
<td>80000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>उपरोक्त चंद्र शर्मा - आपस</td>
<td>350000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>योगी कुंजविया देवनाथ, प्र. हिंदी भाषा शैक्षणिक</td>
<td>210000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ऑगस्टिन कोंस्टेंटिन - इलेक्ट्रामैक्स रिपोर्ट</td>
<td>100000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नाग सेन - जनमु. कमलप्र</td>
<td>70000</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td><strong>कुल</strong></td>
<td>13197972</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>वित्तीय वर्ष का नाम :</td>
<td>राष्ट्रीय नवदिवस समारोह-भारत काला मंड, रैसल, सेनिटाइट, सोनापुर, प्राचीन रोड, ओरेंज टैग, रैसल, अहमदाबाद - 380015</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>-----------------</td>
<td>--------------------------------------------------------------------------------------------------</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>उद्देश्य शंसा सं.</td>
<td>एएफ/7412/अहमदाबाद</td>
<td>संबंध</td>
</tr>
<tr>
<td>सकल वाणिज्यिक आय</td>
<td>विभाग एवं प्रायोगिकी मिशन (डीएफसी) द्वारा योजनाबांद अनुदान एवं वाणिज्यिक आय</td>
<td>101,200,000</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल सकल वाणिज्यिक आय</td>
<td>उस आय का विवरण जो अनुसरण 58 निष्क्रिय 32 के तहत अनुमोदन के प्रमाण नहीं है।</td>
<td>104,981,357</td>
</tr>
</tbody>
</table>
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतियोगिता - भारत
अनुसूची : 77 - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा टिप्पणियां :

1. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां :

क) लेखा का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लगत समूलन के तहत लेखा के प्रोद्योगकर्ताओं एवं प्रोद्योगकर्ताओं के अनुसार अनुरूप, न्यायालय दंड से, और बंद वर्तमान व्यवसाय अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अनुसार और जिस मंत्रालय द्वारा जारी किंद्रीय स्वयंविद्यालय निकायों के लेखा संबंधी दिया निर्देशों के अनुसार तैयार किए गए हैं। लेखा नीतिया प्रतियोगिता सहित किसी आवाज की अनुमति, जो स्वाभावी परिस्थिति को प्रभावित करती है, को स्वाभाविक परिस्थितियां की लगत में समायोजित किया जाता है।

घ) मूल्यास्त एवं परिशोधन

मूल्यास्त का मूल्यास्त मूल्य (दबलवृट्टती) पर आधारित निम्न, 1963 के अनुसूचक अनुसरण - 1 में निर्दिष्ट दंड से और दो लगत पर उपलब्ध कराया जाता है।

ड) सरकार से प्राप्त योजना/ग्राम-योजना अनुदान

वर्ष के दीर्घास योजना अनुदान राज्य विभागों में जमा होते हैं, प्रत्येक इसके के वर्ष के प्रत्येक पुंजीकरण परिसंचालन के अधिग्रहण के लिए प्रमुख अनुदानों को संप्रिय है, "फूलीमा निधि" में जमा किया जाता है।

इ) उद्धेद निधियां

विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधिया/अनुदान अनुमान अनुमान राज्य विभागों में जमा होते हैं और इनका उपयोग संचालन निधि/अनुदान राज्यों में नामी भी होता है। इन निधियों/अनुदानों का शेष बाकी परियोजनाओं पर अभी भी अद्यावधिक व्यवस्थाओं को दिया जाता है।

घ) नवप्रवर्तन निधि

वर्ष के दौरान अर्थशास्त्र व्यापक नवप्रवर्तन निधि में जमा किया गया है।

ज) फैलोशिप और क्या-क्या?

प्राप्ति फैलोशिप और जीवन का प्रायोजन परियोजना निधि/अनुदान पर लेखा अनुमान जमा करें। संस्थान की नियमों के संबंधित फैलोशिप और जीवन का राज्य विभाग के रूप में देखे जाते हैं और इसे "राज्यवाण व्यवस्था" में नामे किया जाता है।

झ) नानाविभाजित प्रतियोगिता या व्यवहार

नवपरिवर्तनों से नवपरिवर्तित उपायों के अधिकार, इन उपायों को कम लगता या ग्रामीण किसी लगत के आम लोगों को उपलब्ध कराने हेतु, अधिग्रहण करने के लिए किए गए मुद्दों को "प्रतियोजित प्रति अधिग्रहण निधि" के तहत अधिग्रहण किया।

न) निवेदन

निवेदन को प्राप्ति प्रकाश किया जाता है।

च) सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारी लाभ

प्रतियोगिता ने कर्मचारियों को मुनाफा योग किसी भी प्रकार के सेवानिवृत्ति लाभों को सूचित नहीं किया है। सेवानिवृत्ति लाभों का लेखाकरण, कर्मचारियों को जब कभी वे देश एवं मुनाफा योग है, के लिए किया जाता है।

ड) कराराधन

आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों अनुसूचक प्रायोजन नाम नीति के लिए किया जाता है।

ढ) विदेशी मुद्रा का लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किये गए लेन-देनों का लेखाकरण लेन-देन की तिथि को विनियम दर के आधार पर नियंत्रित किया जाता है।

2. लेखा टिप्पणिया :
क) न्यासियों की राष्ट्रीय परिसमलियाँ, ऋण और अधिकार सामान्य विवरण में नकदीकरण पर एक मूल्य रखते हैं, जोकि कम से कम वह धनराशि है जिसे वे तुलनात्मक में व्यक्त करते हैं।

ख) न्यासियों की राष्ट्रीय परिसमलियाँ की तिथि को कोई भी आवश्यक देखता नहीं है।

ग) नागपर्वकों को दिये गए ऋणों एवं अधिकारों का शेष, पुट्टी/ समाचरयुक्त और सामाजिक समायोजनों, यदि कोई हो, के अधीन होता है, जिन्हें जिस वर्ष उनका नियमानुसार होता है उसमें आगे ले जाया जाता है।

घ) करायण

वह देखते हुए कि अयोग्यता अनुमान १९६९ के तहत कोई भी कर योग्य आय नहीं है, अयोग्य के कोई भी प्राप्त आयकर नहीं नम्म हो गए हैं। भ) मिश्रित की जाने वाली पूंजीय संबद्धताओं की अनुमानित धनराशि

रु. --कोई नहीं-

च) विदेशी मुद्रा लेन-देन:

सीआईएफ आधार पर आयात का मूल्य रु. --कोई नहीं-विदेशी मुद्रा में आय रु. --कोई नहीं-विदेशी मुद्रा में आय रु. --कोई नहीं-

अनुसूची-५ से ११ को ३१ मार्च, २०१३ के तुलनपत्र एवं समान तिथि के समान हृद वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते के अभिन्न आंश के रूप में संलग्न किया गया है।
खोजते हुए

सृजनात्मकता

परंपरागत ज्ञान

सतत्प्रेषणियता

जमीनी नवप्रवर्तन

वृहद सामाजिक चेतना

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान
Shiksha

Vahanviyata

Kee

Talash

Ulukhstta

Netikata

Parivaran

Sanvadana

Samanata

Karyakshmatata

Rastriya Navpravaran Pratishtan - Bharat

Stedelau, Karmyakshetras, Premvand Nagr Road

Ahmedabad - 380015

Phn : 079-26732095/2456, 26745316, Faks : 079-26731903 Email : info@nifindia.org